दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -146 जबलपुर,शनिवार 04 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

राम मंदिर चंदे पर संग्राम- बीजेपी बोली एसआईटी पर भरोसा रखें, विपक्ष का पलटवार-असली चेहरा बेनकाब

नई दिल्ली-(आरएनएस)। राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी के मामले ने उत्तर प्रदेश में ज़बरदस्त राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष ने सत्ताधारी बीजेपी पर तीखा हमला बोला है, जबकि सरकार का कहना है कि मामले की पारदर्शी जांच चल रही है। इस मामले पर से बात करते हुए बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार ने तुरंत कार्रवाई की है। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं। स्ढ्ढञ्ज जांच चल रही है और पूरी पारदर्शिता के साथ जांच की जा रही है। लोगों को इंतज़ार करना चाहिए और भरोसा रखना चाहिए। राज्य के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने से कहा कि पिछली सरकारों के उलट, मौजूदा सरकार भ्रष्टाचार को छिपा नहीं रही है। निषाद ने से कहा भ्रष्टाचार पहले भी होता था, लेकिन सब कुछ दबा दिया जाता था। [भ्रष्ट लोगों को] संरक्षण मिलता था। हालांकि, हमारे कार्यकाल में ऐसे मामलों का खुलासा हो रहा है और दोषियों को सज़ा दी जा रही है। जांच पर भरोसा रखना चाहिए। आरोपियों को बचाने और जनता को गुमराह करने वाले बयान देने के बजाय, भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा जब तक फाइल बंद नहीं हो जाती, जांच एक खास प्रक्रिया के तहत चलती है। बिना सबूत के किसी पर आरोप नहीं लगाया जा सकता। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र जैन ने राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने पार्टी नेताओं को नकली भक्त करार दिया, जो सिर्फ चुनावी फायदे के लिए भगवान राम के नाम का इस्तेमाल करते हैं। जैन ने दावा किया कि कांग्रेस का राम जन्मभूमि मुद्दे पर राजनीति करने का इतिहास रहा है, जो भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के दौर से चला आ रहा है।

जैन ने कहा, जब राम लला प्रकट हुए, तो स्थानीय मुसलमानों ने लिखित बयान देकर कहा कि उन्हें बाबरी मस्जिद में कोई दिलचस्पी नहीं है - क्योंकि वहां 1935 से कोई नमाज़ नहीं पढ़ी गई थी - और उन्होंने इसे हिंदुओं को सौंपने का सुझाव दिया। फिर भी, जवाहरलाल नेहरू ने उनके रुख को नज़रअंदाज़ कर दिया। नेता ने आगे आरोप लगाया कि उस समय की सरकार ने मामले को सुलझाने के बजाय उसे और उलझा दिया।

मैंने भी दिया था चंदा, वापस लूंगा...

श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी के विरोध में दिग्विजय सिंह उज्जैन से लेकर अयोध्या तक करेंगे पदयात्रा

भोपाल। (आरएनएस)।अयोध्या में श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी के विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा करेंगे। यह यात्रा दो अक्टूबर से प्रारंभ होगी और पूरी तरह से गैर राजनीतिक रहेगी। इसमें कोई झंडा-बैनर नहीं रहेगा। यह घोषणा करते हुए दिग्विजय ने कहा कि उनके साथ पदयात्रा में भगवान श्रीराम में आस्था रखने वाला कोई भी व्यक्ति शामिल हो सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए एक लाख 11 हजार रुपये का जो चंदा दिया था, उसे वापस लेने के लिए न्यायालय में दावा भी करेंगे, क्योंकि चंदा का दुरुपयोग हुआ है। यदि राशि वापस मिलती है तो उसे रामालय ट्रस्ट को दिया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि चूँकि शिवराज सिंह चौहान जी—जो उस समय मुख्यमंत्री थे—ने 1 लाख रुपये दान किए थे, इसलिए मुझे लगा कि मुझे उससे ज़्यादा रकम देनी चाहिए। मैंने 1,11,000 रुपये दान किए और नरेंद्र मोदी जी को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि वे यह पक्का करें कि दान की रकम ट्रस्ट में जमा हो जाए। हमने खुद इसे जमा किया और रसीद भी ली। हमने भगवान राम में आस्था और एक भव्य मंदिर की इच्छा से दान दिया था। हालाँकि, अब जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे चिंताजनक हैं।

सागर बीएमसी में बवाल - महिला डॉक्टर का आरोप

बीजेपी नेता ने किया बैड टच और दी गोली मारने की धमकी, विरोध में डॉक्टरों का प्रदर्शन

भोपाल। (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के सागर स्थित बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल श्रीवास्तव (पीपरा) पर महिला डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार, बैड टच करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगे हैं।

घटना के विरोध में जूनियर डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने काम बंद कर अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया और आरोपित की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ, लेकिन डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि तय समय में कार्रवाई नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। महिला स्टाफ के अनुसार, गुरुवार रात करीब दो बजे एक मरीज को इलाज के लिए बीएमसी लाया गया था। इलाज शुरू होने से पहले ही लगातार फोन कर दबाव बनाया जा रहा था। इलाज के दौरान मरीज के साथ आए लोगों ने अस्पताल स्टाफ से अभद्र व्यवहार किया। महिला कर्मचारियों का आरोप है कि विरोध करने पर नर्सिंग स्टाफ को धमकाया गया, एक व्यक्ति ने बैड टच किया और अस्पताल के बाहर गोली मारने की धमकी दी। आरोपित की पहचान अनिल श्रीवास्तव (पीपरा) के रूप में की गई है।

पुलिस कार्रवाई नहीं होने का आरोप

पीड़ित पक्ष का कहना है कि घटना की सूचना रात में ही पुलिस और अस्पताल प्रबंधन को दे दी गई थी। पुलिस अस्पताल पहुंची, लेकिन आरोपितों के वहां से चले जाने के बाद बिना किसी ठोस कार्रवाई के लौट गई। इससे अस्पताल में कार्यरत महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

24 घंटे का अल्टीमेटम

जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन ने घटना की निंदा करते हुए 24 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही मामले में कॉलेज प्रबंधन की भूमिका की जांच की भी मांग उठाई गई है। संगठन ने चेतावनी दी है कि समय पर कार्रवाई नहीं होने पर प्रदेशभर में कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

यह भी पढ़ें- जबलपुर में डराने वाला साइबर क्राइम, महिला डॉक्टर के घर का ष्टष्टञ्जङ्क कैमरा हुआ हैक! अंदर से आने लगी बच्चे की आवाज, पुलिस में शिकायत

भाजपा नेता ने आरोपों से किया इनकार

भाजपा नेता अनिल श्रीवास्तव (पीपरा) ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि वे केवल अपने गांव के एक मरीज का हाल जानने अस्पताल पहुंचे थे और समय पर इलाज की बात कही थी। उन्होंने किसी भी प्रकार की अभद्रता से इनकार करते हुए वार्ड के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की मांग की है।

श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे पर बड़ा हादसा- गगनगीर सुरंग के पास सीआरपीएफ का वाहन पलटा, 6 जवान घायल

श्रीनगर। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले से शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर गगनगीर सुरंग के पास केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गया। इस भीषण दुर्घटना में वाहन के भीतर सवार सीआरपीएफ के छह जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चलते वाहन का अचानक संतुलन बिगड़ गया, जिसके चलते गाड़ी अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय स्तर पर मुस्तैदी दिखाते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घायल जवानों को तुरंत दिया गया प्राथमिक उपचार दुर्घटनास्थल पर ही सभी घायल जवानों को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद, बेहतर और विशेष इलाज के लिए उन्हें तुरंत पास के गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में स्थानांतरित कर भर्ती कराया गया है।

चलते ई-रिक्शा को बंद करने वाले चाइनीज एप बैन- बदमाश ब्लूटूथ के जरिए बैटरी ऑफ कर देते थे; इलेक्ट्रिक कार-स्कूटर को खतरा नहीं

बीच सड़क पर चलते बंद हो रहे ई रिक्शा, चीन का एप भारत में कराएगा एक्सीडेंट ?

नई दिल्ली-(आरएनएस)। टिर्रियों एक सर्वव्यापी शब्द ई रिक्शा के लिए स्लैंग के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। उत्तर भारत के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में शायद ही कोई ऐसा शहर या कस्बा हो जहां इस वाहन की मौजूदगी ना हो। ई रिक्शा उर्फ टिररी जितना मददगार साबित हुआ है, इसका प्रकोप भी उतना ही फैला है। अब सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे हैं कि उन्हें इन टिर्रियों की काट मिल गई। बैट्री रिक्शा ड्राइवरों को लेकर एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। ब्लूटूथ आधारित एक मोबाइल आप के जरीए चलते बैट्री रिक्शा को दूर से बंद किया जा रहा है। पता चला कि लोग जिस ऐप का जिक्र कर रहे हैं वो है बैट ऐप। यानी बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम। यह ऐप असल में एक ऐसा टूल है जो बैटरीज को मैनेज करने उनका डाटा देखने में मदद करता है। ऐसा उन बैटरीज के साथ होता है जिसमें ब्लूटूथ होता है। यानी यह ऐप बैटरी के साथ ब्लूटूथ के जरिए कनेक्ट करती है। इस ऐप के जरिए आप यह मॉनिटर कर सकते हैं कि आपकी ईवी की बैटरी कितनी चार्ज हो चुकी है। उसका तापमान कितना है? ओवर हीट तो नहीं हो रही आदि इत्यादि। अब इस ऐप का इस्तेमाल ई रिक्शा को रिमोटली बंद करने के लिए किया जा रहा है और बाकायदा इसके वीडियो बनाकर ऑनलाइन पब्लिश किए जा रहे हैं। एक मोबाइल ऐप है जिसे चीनी निर्माता द्वारा विकसित किया गया है। गूगल प्ले स्टोर के अनुसार, यह ऐप उपयोगकर्ताओं को ब्लूटूथ-सक्षम बैटरी पैक की निगरानी करने की सुविधा देता है। सामान्य बैटरी ऐप्स की तुलना में, इस चीनी ऐप के पास आम उपयोगकर्ताओं के लिए जो नियंत्रण स्तर है, वह इसे सबसे अलग बनाता है। जहाँ अन्य ऐप्स केवल तापमान या वोल्टेज जैसे बुनियादी मानकों की निगरानी करने की अनुमति देते हैं, वहीं इस ऐप में एक ऐसा फीचर शामिल है जो पूरे सिस्टम को पूरी तरह से बंद करने की अनुमति देता है। आमतौर पर इस तरह का नियंत्रण केवल निर्माता कंपनियों के पास ही होता है। यहाँ यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह सिस्टम किसी भी तरह से नया नहीं है, और इस तरह के ऐप्स का उपयोग लंबे समय से ई-रिक्शा चालकों द्वारा किया जाता रहा है। कम लागत वाले ये तीन-पहिया वाहन हाल ही में अपने बजट-अनुकूल और सुलभ होने के कारण पूरे भारतीय बाजार में काफी लोकप्रिय हो गए हैं।

किल स्विच कैसे काम करता है?

देश में कई ई-रिक्शा में अभी भी बिना पासवर्ड प्रोटेक्शन वाली ब्लूटूथ-इनेबल्ड लिथियम-आयन बैटरी का इस्तेमाल होता है। इस कमी की वजह से 15 मीटर के दायरे में मौजूद कोई भी यूज़र बैटरी से कनेक्ट कर सकता है। क्ल्ञ्ज-क्क्स् ऐप में डिस्चार्ज स्विच फ़ीचर देता है, जो तुरंत ई-रिक्शा को बंद कर देता है। क्योंकि पुराने वाहनों में ब्लूटूथ नहीं होता, इसलिए वे आम तौर पर ऐसी कमियों से सुरक्षित रहते हैं। इसके अलावा, नए ई-रिक्शा में पासवर्ड प्रोटेक्शन का इस्तेमाल किया जाता है

सुप्रीम कोर्ट भी बीजेपी के अधीन काम कर रहा है, राम मंदिर मुद्दे पर संजय राउत का बड़ा बयान

नई दिल्ली-(आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर निर्माण के चंदे में हुई कथित धोखाधड़ी का मामला इन दिनों काफी गरमाया हुआ है। इस पूरे प्रकरण की तफ्तीश में जुटी एसआईटी अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस बीच, पूरे विवाद पर शिवसेना के दिग्गज नेता संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है, जिसमें उन्होंने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आड़े हाथों लिया है। संजय राउत ने कहा कि देखिए कांग्रेस पार्टी की नहीं पूरी देश की भावना है। अब सुप्रीम कोर्ट के निगरानी में जांच होगी तो सुप्रीम कोर्ट निष्पक्ष है क्या? सुप्रीम कोर्ट भी उनके नीचे काम कर रहा है ना। मैं तो कहूंगा मुंबई हाई कोर्ट के जो जज है माधव जामदार उनके निगरानी में जांच होनी चाहिए। अब बहुत कम लोग बच्चे इस देश के न्याय व्यवस्था में। राउत ने कहा कि हां जो चाहते हैं कि ये सब साफ हो जाए। जिस तरह से अयोध्या अयोध्या जो है एक तीर्थ क्षेत्र रहा राम की अयोध्या रही उसका अब अंडरवर बन गया है जो मुंबई में अंडरवर है ना गुंडुम का और अंडरवर चलाने वाले बीजेपी के लोग सबसे पहले डाका डाला है राम मंदिर पे अब कोई एक मुसलमान पैदा करेंगे पाकिस्तान से और बोलेंगे उनका हाथ था उसमें वह बम डालने को आएगा उसके पास आरडीएक्स है टेरर अटैक करेगा। लूटा किसने है? यह बीजेपी के महमूद गजनवी ने अंडरव चला रहे लोग। मुझे तो आश्चर्य होता है कि बृजभूषण शरण सिंह जैसे जो नेता है जो कभी किसी को डरते नहीं वो नेताजी ने भी कहा कि मुझे डर लगता है नाम लेने। वो जो अपने आप को भगवान मानने वाले भागेश्वर बाबा बोलते हैं मुझे भी डर लगता है। शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा कि मेरी हत्या हो जाएगी अगर मैंने नाम लिया तो ये किसका डर है? ये कौन सा अंडरवर अयोध्या में काम कर रहा है? बताइए। ये बताना चाहिए। लोगों को समझना चाहिए। लोगों की जान चली गई है मंदिर बनाने में। लोग जेल में गए हैं। पूरी शरयू नदी लोगों के खून से करश सेवकों के खून से लाल हो गई थी।

ईओडबलू का नरसिंहपुर के गाडरवारा में छापा, सेवानिवृत्त नगर पालिका कर्मचारी के घर कार्रवाई

नरसिंहपुर।(आरएनएस)। एमपी के नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा शहर में शुक्रवार 3 जुलाई की सुबह आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर पालिका के सेवानिवृत्त सहायक निरीक्षक योगेंद्र ढिमोले के निवास पर छापा मारा। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत की जांच के बाद विशेष न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त कर ईओडब्ल्यू की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

20 सदस्यीय टीम सुबह एमपीईबी कॉलोनी स्थित योगेंद्र ढिमोले के घर पहुंची। टीम में महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच के साथ संपत्तियों और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड का सत्यापन शुरू किया। कार्रवाई के दौरान घर के बाहर लोगों की भीड़ भी जुटी रही।

ईओडब्ल्यू के डीएसपी मनजीत सिंह ने बताया कि योगेंद्र ढिमोले पूर्व में लखनादौन में मुख्य नगर पालिका अधिकारी का प्रभार संभाल चुके हैं। बाद में उनका स्थानांतरण गाडरवारा हुआ था और अप्रैल 2026 में वे सेवानिवृत्त हुए हैं। उनके खिलाफ लखनादौन में पदस्थापना के दौरान आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसकी जांच की जा रही थी।

डीएसपी के अनुसार जांच के दौरान आय से अधिक संपत्ति के पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर विशेष न्यायालय नरसिंहपुर से तलाशी वारंट प्राप्त किया गया। प्रारंभिक जांच में गाडरवारा स्थित दो प्लॉटों पर निर्मित आवास, लखनादौन में एक मकान, एक खाली प्लॉट, दो कृषि भूमि, बेटे के नाम पर एक दुकान, एक कार, एक थार वाहन, तीन मोटरसाइकिलें, एक ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा मिक्सर मशीन सहित अन्य संपत्तियों की जानकारी सामने आई है।

ईओडबलू टीम इन सभी संपत्तियों का मूल्यांकन कर रही है। इसके अलावा घर से मिले नकदी और आभूषणों का भी आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि संपत्तियों और अन्य परिसंपत्तियों का अंतिम मूल्यांकन पूरा होने के बाद ही आय से अधिक संपत्ति का वास्तविक आंकड़ा स्पष्ट हो सकेगा।

तेज रफ्तार कैंटर ने रोडवेज बस में मारी टक्कर, 4 यात्रियों की मौत, कई घायल

एटा. उत्तर प्रदेश के एटा जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 4 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. एटा के जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने इसकी पुष्टि की है.

शुरुआती जानकारी के अनुसार, एटा जिले के बागवाला थाना क्षेत्र में किलरमऊ के नजदीक एक तेज रफ्तार कैंटर ने सड़क किनारे खड़ी रोडवेज बस को पीछे से टक्कर मारी. एटा डिपो की बस फर्रुखाबाद से दिल्ली जा रही थी. हालांकि, रास्ते में खराब होने के कारण बस को सड़क किनारे खड़ा करके ठीक किया जा रहा था. इसी दौरान कैंटर ने टक्कर मारी. इस घटना के बाद चीख-पुकार मच गई.

जीतू पटवारी की मुश्किलें बढ़ी, कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट

ग्वालियर (आरएनएस)। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ ग्वालियर की विशेष एमपी एमएलए कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए 27 जुलाई को उपस्थित होने का निर्देश दिया है। दरअसल, मामला साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। भिंड संसदीय क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार देवाशीष जरारिया को लेकर कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने बयान दिया था। उन्होंने बसपा उम्मीदवार के भाजपा से सांठगांठ और लेनदेन करने का आरोप लगाया था। जीतू पटवारी के बयान के खिलाफबसपा उम्मीदवार जरारिया ने ऊमरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने कांग्रेस नेता के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग की सीडी भी पुलिस को सौंपी थी। बताया गया है कि इस मामले की कोर्ट में सुनवाई हुई और न्यायालय ने 16 जनवरी 2026 को पेश होने का नोटिस जारी किया था, मगर जीतू पटवारी कोर्ट नहीं पहुंचे। पुलिस की ओर से तर्क दिया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पाटन में रात सुनील पन्द्रो उम्र 37 वर्ष उप जेल पाटन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह उपजेल पाटन में प्रहरी के पद पर पदस्थ है दिनांक 2-7-26 की दोपहर लगभग 1 बजे उपजेल पाटन में डियूटी पर था तभी बंदी दुर्गेश पिता पंचम मेहरा निवासी ग्राम सुंदरादेही थाना बेलखेड़ा से मुलाकात करने हेतु दुर्गेश मेहरा के परिचित के रविन्द्र सिंह लोधी, राधे सिंह, जितेन्द्र, सुनील, सुरेन्द्र ठाकुर, अज्जू एवं भगवान सिंह आये जो शराब के नशे में लग रहे थे जिनसे आधारकार्ड मांगने पर किसी ने भी आधारकार्ड नहीं दिये मुलाकात की प्रक्रिया पूरी करे बगैर सभी जेल परिसर में आकर गाली गलौज करते हुये दुर्गेश से मिलने

तिलहरी आवासीय योजना के 288 मकानों का निर्माण होगा प्रारंभ, ''जो जहाँ हैं जैसा है'' की स्थिति में पी.पी.पी. मोड पे निर्माण कम्पलीट करने दिया गया ठेका, नगर निगम को 18 करोड़ रूपये की राशि मिलेगी-शहर के 1500 स्थानों पर जल संरक्षण हेतु वॉटर हार्वेस्टिंग सिटम का कार्य तेज गति से हुआ शुरू

तीन माह के अंदर शहर में लगेगें 11 लाख पौधे - महापौर

मेयर इन काउंसिल की महात्वपूर्ण बैठक में लीज नवीनीकरण, नामान्तरण, नामकरण एवं अधिकारियों कर्मचारियों के हितों से संबंधित अन्य प्रस्ताव भी पारित किये गए

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित की गई, शहर के चहुंमुखी विकास, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधाओं को अत्याधुनिक बनाने की दिशा में शहर के देवतुल्य नागरिकों की आवश्यकताओं एवं हितों को ध्यान में रखते हुए महात्वपूर्ण निर्णय लिये गए, जिसमें लंबे समय से लंबित तिलहरी आवासीय योजना के 288 मकानों का निर्माण प्रारंभ ''जो जहाँ है, जैसा है'' की स्थिति में पी.पी.पी. मोड पर पूरा करने का ठेका दे दिया गया है। इस निर्णय से न केवल आवासों का निर्माण कार्य तेजी से पूरा होगा, बल्कि नगर निगम को 18 करोड़ रुपये की बड़ी राजस्व राशि भी प्राप्त होगी। भू-जल स्तर को सुधारने के लिए शहर के 1500 चिन्हित स्थानों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया जा रहा है।

पर्यावरण को नई संजीवनी देने के लिए महापौर ने घोषणा की कि आगामी तीन माह के भीतर पूरे शहर में 11 लाख पौधे रोपे जाएंगे, जिससे शहर की हरियाली में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल डुमना नेचर पार्क में पी.पी.पी. मोड पर ''स्वीश टेंट पद्धति'' से 5-स्टार होटल और रेस्टोरेंट का संचालन किया जाएगा, जो जबलपुर में पर्यटन को नए आयाम देगा। नागरिकों और राहगीरों की सुविधा के लिए शहर में 12 नए अत्याधुनिक मॉडल के टॉयलेट्स का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। शहर के 50 प्रमुख स्थलों पर पी.पी.पी. मोड पर साइकिलिंग की व्यवस्था की जा रही है। इससे नागरिकों को सेहतमंद परिवहन का विकल्प मिलेगा और निगम को जगह की किराए के रूप में आय भी होगी। खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए राइट टाउन स्टेडियम की खाली भूमि पर भव्य ओलंपिक भवन का निर्माण किया जाएगा। शहर के 5 प्रमुख श्मशान घाटों का 6 करोड़ रुपये की लागत से उन्नयन और सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि वहाँ आने वाले नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। विकास कार्यों के साथ-साथ आज की बैठक में नागरिकों से जुड़े जरूरी प्रशासनिक कार्यों को भी गति दी गई। बैठक में लीज नवीनीकरण, नामान्तरण, नामकरण एवं अधिकारियों कर्मचारियों के हितों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया तथा कुछ बिन्दुओं पर विधिक अभिमत लेने का निर्णय लिया गया।

बैठक में मेयर इन काउंसिल के सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, दामोदर सोनी, विवेकराम सोनकर, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, के साथ निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, मेयर इन काउंसिल के सचिव दिनेश प्रताप सिंह सहित सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, एवं विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

सिख संगत ने गुरुद्वारा एक्ट 2026 के विरोध में ज्ञापन सौंपा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा सिक्खों के पांच पवित्र तख्तों में से एक तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ के प्रबंधन को नियंत्रित करने वाले 70 साल पुराने नांदेड़ सिख गुरुद्वारा एक्ट 1956 को समाप्त कर उसके स्थान पर गुरुद्वारा एक्ट 2026 को लागू करने के प्रस्ताव के विरोध में जबलपुर सिक्ख संगत के नेतृत्व में सिख समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मा.प्रधानमंत्री जी के नाम कलेक्ट्रेट में श्री राघवेंद्र सिंह, कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पुराने एक्ट 1956 को यथावत रखने की मांग की । ज्ञापन में नए एक्ट को धार्मिक भावनाओं एवं ऐतिहासिक परंपराओं के खिलाफ बताया गया। ज्ञापन की प्रति मा. राज्यपाल, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र,प्रमुख सचिव एवं अध्यक्ष शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर, पंजाब आदि को भी प्रेषित की गई है। इस मौके पर जबलपुर सिख संगत के अध्यक्ष श्री हरेंद्र जीत सिंह बब्बू, सचिव दलवीर सिंह जस्सल, अधिवक्ता जे.पी.एस. ओबेरॉय, मंजीत सिंह बेदी, प्रताप सिंह विरदी, प्रभजोत सिंह, गुलजीत सिंह साहनी, हरमिंदर सिंह सैनी, जालम सिंह, के साथ ही सिख समाज की धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक, संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं महिलाओं का समूह उपस्थित रहा ।

हर माह मानदेय भुगतान में देरी क्यों?

पे डाटा के लिए कराना पड रहा तीन तीन अधिकारियों से वेरीफिकेशन वेतन का पता नहीं और अधिकारियों के काटने पड रहे चक्कर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि स्वास्थ्य विभाग में नित नये कानून लागू कर दिये जाते हैं। जब कोई नया अधिकारी आता है वह अपने हिसाब से आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए नए कानून लागू करता है। वर्तमान में आउटसोर्स कर्मचारियों को मानदेय भुगतान समय पर नहीं किया जा रहा है, भुगतान के लिए 2 से 3 महीनों के इंतजार के बाद एक माह का भुगतान किया जाता है और उनके उपर नये नये आदेशों की भरमार लाद दी जाती है, लगातार उन्हें प्रताडित किया जा रहा है। वर्तमान में उन्हें अपने वेतन भुगतान और पे डाटा के लिए तीन प्रकार के अलग अलग प्रपत्र में पे डाटा मांगा जा रहा है, जिसे अलग अलग अधिकारियों से साईन कराने के लिए उन्हें विभाग के चक्कर काटने पड रहे हैं। आउटर्सोस कर्मचारियों को सार्थक एप में उपस्थिति दर्ज करने के आदेश भी प्रदान किये गये हैं, जबकि वे नियमित या संविदा कर्मचारी नहीं है और उन्हें किसी भी प्रकार की सुविधाओं का लाभनहीं दिया जा रहा है, परंतु नियमित और संविदा कर्मचारियों की तरह सभी प्रकार के नियमों का पालन करने के आदेश लगातार प्रसारित किये जा रहे हैं। इन सभी विसंगतियों के आउटसोर्स कर्मचारी अत्यंत परेशान और प्रताडित हो रहे हैं। इस तरह के नियमों को तत्काल हाटाया जाये जिससे आउटसोर्स कर्मचारियों को होने वाली मानसिक एवं आर्थिक परेशानी से मुक्ति मिल सके। संघ मांग करता है आउटसोर्स कर्मचारियों को समय पर मानदेय भुगतान प्रदान किया जाये एवं पे डाटा एक ही प्रपत्र में मांगा जाये और एक ही अधिकारी से हस्ताक्षरित एवं प्रमाणित कराया जाये जिससे कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो अन्यथा संघ आंदोलन एंव धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होगा। संघ के अटल उपाध्याय, देवेन्द्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, ब्रजेश मिश्रा, वीरेन्द्र चंदेल, एस.पी. बाथरे रजनीश पाण्डे, सतीश उपाध्याय, दालचंद पासी, अजय दुबे, दिलराज झारिया, राकेश वर्मा, शैलेन्द्र गौतम, के. पी.पाठक, सतीश देशमुख, निशांक तिवारी, अंकित चौरसिया, शैलेन्द्र दुबे, अमित पटेल, विशाल मसीह, मनोहर रजक, ने ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि कर्मचारियों की हितैषी मांगो का शीघ्र निराकरण किया जाये।

क्राइस्ट चर्च स्कूल में बच्चे को सांप काटने की घटना पर एनएसयूआई का प्रदर्शन, प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई – एनएसयूआई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। तैयब अली चौक स्थित क्राइस्ट चर्च स्कूल में विगत दिवस बच्चे को सांप काटने की घटना को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विद्यालय परिसर में प्रदर्शन करते हुए गहरा रोष व्यक्त किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर घटना की निष्पक्ष जांच कराने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

छात्रनेता अनुराग शुक्ला व शफी खान ने कहा कि स्कूल में शिक्षकों द्वारा मासूम बच्चों से घास कटवाई जा रही थी जो ऋञ्श्व ्रष्ह 2009 का खुला उल्लंघन है। बरसात के मौसम में जहरीले सांप-कीड़ों का खतरा जानते हुए भी बच्चों को बिना सुरक्षा उपकरण के झाड़ियों में भेजना आपराधिक लापरवाही है। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चे की जान जोखिम में डाली है।

उन्होंने कहा कि विद्यालय जैसी संवेदनशील जगह पर इस प्रकार की घटना अत्यंत गंभीर है। विद्यार्थियों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने मांग की कि स्कूल परिसर की नियमित साफ-सफाई कराई जाए, झाड़ियों एवं अन्य जोखिम वाले स्थानों को तत्काल हटाया जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो संगठन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी विद्यालय प्रशासन की होगी। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश सचिव एजाज अंसारी,अंकित शुक्ला, अंकित कोरी, वकार खान,ऐश्वर्या नाहिर,पुष्पराज सिंह राजपूत,युग ठाकुर, ऋषि यादव,निखिल बंशकार,आर्यन चौधरी,अनिकेत तिवारी,करण अंबाला सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता तथा अभिभावक उपस्थित थे।

पुनर्विकास कार्य के चलते कोटा जंक्शन पर 15 दिनों तक रेल संचालन प्रभावित रहेगा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल के कोटा जंक्शन में प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर पुनर्विकास कार्य के तहत रेल प्रशासन द्वारा 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक 15 दिवसीय ब्लॉक लिया जा रहा है। इस अवधि में प्लेटफॉर्म नंबर-4 से संचालित होने वाली गाड़ियों के प्लेटफॉर्म में परिवर्तन किया गया है। कुछ गाड़ियों का मार्ग परिवर्तित रहेगा तथा कुछ गाड़ियों का आंशिक संचालन सोगरिया स्टेशन से किया जाएगा। कोटा स्टेशन पर अन्य सभी प्लेटफॉर्म से रेल सेवाओं का संचालन सामान्य रूप से जारी रहेगा।

ब्लॉक अवधि में परिचालनिक व्यवस्थाओं के कारण कुछ गाड़ियों के आगमन एवं प्रस्थान में अतिरिक्त समय लग सकता है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशन पर समय से पूर्व पहुंचें। प्रभावित गाड़ियों का विवरण निम्नानुसार है-

प्लेटफॉर्म परिवर्तित रेलगाड़ियाँ-

प्लेटफॉर्म नंबर-4 से संचालित होने वाली गाड़ी संख्या 19811 कोटा-इटावा एक्सप्रेस, 19814 सिरसा-कोटा एक्सप्रेस, 19808 सिरसा-कोटा एक्सप्रेस, 12181/12182 जबलपुर-अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस, 61613 घाटोली-कोटा मेमू ट्रेन, 11603 कोटा-बीना मेमू ट्रेन, 22982 श्रीगंगानगर-कोटा एक्सप्रेस, 13237/13238 पटना-कोटा-पटना एक्सप्रेस एवं 13239/13240 पटना-कोटा-पटना एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन प्लेटफॉर्म नंबर-3 से तथा गाड़ी संख्या 12060 हज़रत निज़ामुद्दीन-कोटा जनशताब्दी एक्सप्रेस का संचालन प्लेटफॉर्म नंबर-2 से किया जाएगा। परिचालनिक आवश्यकता के अनुसार कुछ गाड़ियों के प्लेटफॉर्म में आवश्यकतानुसार परिवर्तन भी किया जा सकता है।

परिवर्तित मार्ग से संचालित रेलगाड़ियाँ- इन गाड़ियों का संचालन कोटा जंक्शन के स्थान पर गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया मार्ग से किया जाएगा। गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक (15 फेरे) सोगरिया (आगमन 02:10 बजे, प्रस्थान 02:20 बजे)-कोटा चंबल केबिन-गुड़ला होकर संचालित होगी तथा कोटा जंक्शन नहीं आएगी।

* गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक (15 फेरे) गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया (आगमन 23:30 बजे, प्रस्थान 23:40 बजे) होकर संचालित होगी तथा कोटा जंक्शन नहीं आएगी।

सोगरिया स्टेशन पर समापन करने वाली गाड़ियाँ-

गाड़ी संख्या 19812 इटावा-कोटा एक्सप्रेस 4 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक (14 फेरे) कोटा जंक्शन के स्थान पर सोगरिया स्टेशन पर ही समाप्त होगी।* गाड़ी संख्या 22984 इंदौर-कोटा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक (15 फेरे) सोगरिया स्टेशन पर ही समाप्त होगी।* गाड़ी संख्या 61634 बीना-कोटा मेमू 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक (15 फेरे) सोगरिया स्टेशन पर ही समाप्त होगी।

सोगरिया स्टेशन से प्रारंभ होने वाली गाड़ी-

* गाड़ी संख्या 61633 कोटा-बीना मेमू 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक (15 फेरे) कोटा जंक्शन के स्थान पर सोगरिया स्टेशन से 15:20 बजे प्रस्थान करेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व अपनी गाड़ी के प्लेटफॉर्म, समय एवं परिचालन संबंधी नवीनतम जानकारी एनटीईएस ऐप, स्टेशन के डिस्प्ले बोर्ड अथवा पूछताछ काउंटर से अवश्य प्राप्त करें तथा निर्धारित समय से पहले स्टेशन पहुंचें।

कांग्रेस महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ में की गई नियुक्ति

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश एवम संजय यादव जिलाध्यक्ष ग्रामीण, एवम प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका किरार की सहमति से कांग्रेस महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष उमा ठाकुर ने प्रकोष्ठ में सभी विधानसभा एवम ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की है,जो निम्नलिखित है, पाटन विधानसभा ओमवती पाठक, बरगी विधानसभा सुदामा ठाकुर, पनागर विधानसभा प्रियंका मरावी, सिहोरा विधानसभा आरती झारिया,एवम पाटन ब्लॉक उर्मिला, मझौली ब्लॉक सोना बाई ठाकुर, पोंडा ब्लॉक आकृति सिसोदिया, कटंगी ब्लॉक सुलेखा गोंटिया,बरगी ब्लॉक कीर्ति वधाम, शहपुरा ब्लॉक बबीता ठाकुर, चरगवा ब्लॉक चांदनी ठाकुर, बेलखेड़ा ब्लॉक पूजा ठाकुर, पनागर ब्लॉक रोशनी कुशवाहा, बरेला ब्लॉक ममता मरावी, महाराजपुर ब्लॉक रेखा रैकवार, बेलखाडू ब्लॉक संगीता चढ़ार, सिहोरा ब्लॉक सीमा ठाकुर, कुंडम ब्लॉक गीतांजलि परस्ते, गोसलपुर ब्लॉक रश्मि खटीक आदि की अध्यक्ष पद पर नियुक्ति की गई है,

संस्कारधानी में विराजमान मुनि एवं आर्यिका संघ को जैन समाज द्वारा चातुर्मास हेतु श्रीफल अर्पित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर महाराज एवं आचार्यश्री समयसागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री निस्कंपसागर, मुनिश्री निष्कामसागर तथा आर्यिका गुरुमति माताजी एवं दृढ़मति माताजी के संघ को जबलपुर में चातुर्मास करने हेतु दिगम्बर जैन पंचायत सभा, जैन नवयुवक सभा, दिगम्बर जैन संरक्षणी सभा, स्वर्ण मंदिर लॉजिंग तथा अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला परिषद के समस्त पदाधिकारियों एवं ट्रस्टियों ने श्रीफल अर्पित किया।

संबद्ध स्वामी अगेह भारती की पाँच कृतियों का भव्य विमोचन

शब्दों में उतरी ओशो-चेतना

मां ध्यान निरूपा और स्वामी अगेह भारती साधनाश्री अलंकरण से विभूषित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कला, साहित्य और संस्कृति को समर्पित पाथेय संस्था एवं %नमस्ते पहल संस्था% के संयुक्त तत्वावधान में गोलबाजार स्थित नूतन मराठी स्कूल में प्रख्यात ओशो संन्यासी स्वामी अगेह भारती की पाँच विचारपरक कृतियों का भव्य विमोचन संपन्न हुआ।

?समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महामहोपाध्याय डॉ. हरिशंकर दुबे, अध्यक्ष के रूप में श्री प्रतुल श्रीवास्तव, तथा सारस्वत अतिथि आचार्य विजय %किसलय%थे।विशिष्ठ अतिथि संतोष नेमा, विनीता पैगवार विधि और आशुतोष तिवारी ने रहे। मंचासीन अतिथि अमरेंद्र नारायण,प्रो. एच. बी. पालन,डॉ.अखिलेश गुमास्ता,अनुराग तिवारी ने संस्मरण सुनाए।अर्चना गोस्वामी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने स्वामी अगेह भारती को कृतियों की गहराई को रेखांकित करते हुए कहा कि ये पाँचों कृतियाँ मात्र पुस्तकें नहीं, बल्कि मानवीय चेतना को जगाने वाले जीवंत दस्तावेज़ हैं। लगभग 1200 पृष्ठों में %ओशो अगेह स्मृति ग्रंथ% (भाग 1 व 2) गुरु और शिष्य के पावन सानिध्य व संस्मरणों का एक ऐसा पारदर्शी दर्पण है, जिसमें जीवन का वास्तविक अक्स दिखाई देता है।

वहीं एक अन्य कृति %पृथ्वी बच भी सकती है अगर...% आज के समय में पर्यावरण की करुण पुकार है, जो हमें प्रकृति से पुन: जोड़ती है,

तथा %काव्य वीथिका% और %एक अनूठी डायरी% में ओशो के प्रति अनन्य समर्पण का सुंदर प्रमाण हैं।

?इसके पश्चात मुख्य अतिथि महामहोपाध्याय डॉ.हरिशंकर दुबे, अध्यक्ष श्री प्रतुल श्रीवास्तव एवं सारस्वत अतिथियों ने भी स्वामी जी के इस वैचारिक सृजन को साहित्य जगत के लिए एक अमूल्य धरोहर बताया। किरण सिंह, गोविंद शरण,राघवेंद्र सिंह, अमित सिंह बाबा ने मा निरूपा के साथ अगेह जी को साधनाश्री अलंकरण से एवं वरिष्ठ पत्रकार पवन पांडे,डॉ.अनिल कोरी,विनीता विधि, डॉ.एच.पी तिवारी को धर्म सेवाओं के लिए पाथेय,वर्तिका संस्था, मंथनश्री अनेकान्त, जागरण संस्था,समवेत स्वर से राजेन्द्र मिश्रा,डॉ.सुरेंद्र लाल साहू,डॉ. अरुणा पांडे,डॉ.संध्या श्रुति,मनोहर आकाश,सुभाष शलभ,विजय जायसवाल,तरुणा खरे,प्रभा विश्वकर्मा,उर्मिला श्रीवास्तव,प्रीति नामदेव,अस्मिता शैली,आकांक्षा सिंह,मंजू इंगले,प्रभा श्रीवास्तव ने सम्मानित किया।आभार व्यक्त करते हुए आलोक पाठक ने ओशो के दर्शन पर प्रकाश डाला।समारोह में अनीता कोहली,अनुश्री चौबे,स्वामी विवेक,संदेश जैन,अरविंद राय,आशीष समैया,अशोक जैन,हरकेश बहादुर सिंह,आर.के. पासी,रमाकान्त गौतम की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

भोपाल -ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने अपने कार्मिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल करते हुए सोलर रूफटॉप प्लांट योजना लागू की है। ऊर्जा विभाग के निर्देशों के अनुरूप जारी इस योजना से कंपनी के सभी नियमित कार्मिकों को अपने आवास पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराने की सुविधा मिलेगी। अब इच्छुक कार्मिक प्रदेश की संबंधित विद्युत वितरण कंपनी (डिस्कॉम) की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे

खेती की लागत कम करना और किसानों की आय बढ़ाना हमारी प्राथमिकता-किसानों को उन्नत नस्ल की गाय उपलब्ध कराने में निजी संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाए

किसानों से सीधे संवाद के लिए राजधानी से लेकर मैदानी स्तर तक किये जाये कार्यक्रम आयोजित - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस)-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का कल्याण राज्य सरकार का कर्तव्य है। खेती की लागत कम करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए गतिविधियों को प्राथमिकता पर लिया जाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया गया है। कृषकों के हित संवर्धन के लिए लागू कार्यक्रमों और योजनाओं का क्रियान्वयन मिशन मोड में किया जाए। किसानों से सीधे संवाद के लिए राजधानी से लेकर मैदानी स्तर तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। दुग्ध उत्पादन किसानों की आय बढ़ाने के लिए विशेष रूप से सहायक है। किसानों को उन्नत नस्ल की गाय उपलब्ध कराने में निजी संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाए। ग्रामीण स्तर पर इस तरह के केन्द्रों का अधिक से अधिक विस्तार हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत अब तक हुए कार्यक्रमों की मंत्रालय में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में आगामी प्रस्तावित कार्यक्रमों के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सहकारी समितियों की प्रक्रियाओं का डिजिटलाइजेशन हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को कम पानी और अल्प अवधि की फसलों के लिए जागरूक किया जाए। फसल चक्र में परिवर्तन और प्राकृतिक व जैविक खेती के प्रोत्साहन के लिए वातावरण बनाना आवश्यक है। खेती-किसानी से जुड़े स्थानीय पर्व और त्यौहारों तथा फसल चक्र के अनुसार किसानों से संवाद स्थापित किया जाए। सुगमता और सरलता सुनिश्चित करते हुए सहकारी समितियों की प्रक्रियाओं का डिजिटलाइजेशन किया जाए।

सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव और

संभागीय मुख्यालयों पर होंगे फूड फेस्टिवल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में जानकारी दी गई कि ऑनलाईन किसान क्रेडिट कार्ड पोर्टल और किसानों के लिए ई-पासबुक सुविधा का शुभारंभ जुलाई माह में ही किया जाएगा। राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन का आयोजन भी होगा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी कार्यकर्ताओं तथा पशुपालकों को पुरस्कृत और सम्मानित करने के लिए उज्जैन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन होगा। प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जाएंगे और सभी संभागीय मुख्यालयों पर फूड फेस्टिवल होंगे।

इंदौर में होगा सब्जी महोत्सव और

एक्वाकल्चर मार्केटिंग सिम्पोजियम

बैठक में बताया गया कि खरगौन में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन और कपास एवं मिर्च महोत्सव के आयोजन की योजना है। अन्तर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि पर जबलपुर में कार्यक्रम होगा। इसी प्रकार जबलपुर में ही कुक्कुट पालकों और उद्यमियों का सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। बुरहानपुर में केला महोत्सव, उज्जैन में हाईटेक नर्सरी और संरक्षित खेती पर कार्यशाला, सागर और रतलाम में कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) का राज्य स्तरीय सम्मेलन, नीमच में उद्यानिकी में आधुनिक तकनीक पर कार्यशाला, इंदौर में सब्जी महोत्सव तथा एक्वाकल्चर मार्केटिंग सिम्पोजियम और भोपाल पराली प्रबंधन पर कार्यशाला के साथ ही नरसिंहपुर में गन्ना महोत्सव के अंतर्गत राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन भी प्रस्तावित है।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री के.सी गुप्ता, श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, श्री उमाकांत उमराव, आयुक्त जनसम्पर्क श्री मनीष सिंह उपस्थित थे।

निर्यात संवर्धन, औद्योगिक विकास एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा को नई गति देने पर दिया जोर

दिल्ली में हुई व्यापार बोर्ड की बैठक - मंत्री काश्यप ने किया मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

भोपाल -(आरएनएस) सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में शुक्रवार को सम्पन्न हुई बोर्ड ऑफ ट्रेड की महत्वपूर्ण बैठक में मध्यप्रदेश की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश की निर्यात क्षमता, औद्योगिक विकास एवं निवेश संभावनाओं पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। बोर्ड बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद, देश के प्रमुख उद्योगपति, निर्यातक, व्यापार बोर्ड के सदस्य, विभिन्न राज्यों के मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एमएसएमई मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के प्रयासों से संपन्न हुए 9 मुक्त व्यापार समझौते भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हैं। उन्होंने सभी राज्यों से इन समझौतों का अधिकतम लाभ उठाने तथा निर्यात को नई गति देने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि भारत को वर्ष 2030-31 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर निर्यात के महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंचाने में मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राज्य निर्यात वृद्धि के साथ-साथ आयात पर निर्भरता कम करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि मध्यप्रदेश ने राज्य निर्यात नीति, जिला निर्यात कार्य योजनाओं, जिला निर्यात संवर्धन परिषदों, राज्य स्तरीय निर्यात संवर्धन परिषद तथा %एक जिला-एक उत्पाद जैसी पहलों के माध्यम से मजबूत निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है।

विद्यार्थी हित, गुणवत्ता और पारदर्शिता पर आधारित कार्य संस्कृति विकसित करें विश्वविद्यालय-मंत्री परमार

भोपाल-(आरएनएस) उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि ऐसे ज्ञान केंद्र हैं, जहाँ समाज की समस्याओं का समाधान करने वाले श्रेष्ठ, संवेदनशील, नैतिक एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों का निर्माण होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल रोजगार के योग्य बनाना नहीं, बल्कि उन्हें समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम, उत्तरदायी एवं नवाचारी बनाना है। विश्वविद्यालयों को इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा। मंत्री श्री परमार बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित 卐शिक्षा संवाद卐 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य सभी विश्वविद्यालयों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध, नवाचार, सुशासन एवं विद्यार्थी-केंद्रित व्यवस्था के आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करना है। विश्वविद्यालयों की कार्य संस्कृति ऐसी होनी चाहिए, जिसमें प्रत्येक निर्णय विद्यार्थी हित, गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया जाए।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित न रहें, बल्कि समाज को दिशा देने वाले सशक्त शैक्षणिक संस्थान बनें।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि आदर्श विश्वविद्यालय वही है, जहाँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, समयबद्ध शैक्षणिक गतिविधियाँ, अनुशासित व्यवस्था, शोध की सशक्त संस्कृति, नवाचार तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए, जहाँ विद्यार्थी केवल डिग्री प्राप्त न करें, बल्कि समाज एवं राष्ट्र की चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने वाले सक्षम नागरिक बनकर निकलें।मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्राध्यापकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए %सार्थक ऐप% का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है, जिससे शिक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों की उपस्थिति भी %सार्थक ऐप% के माध्यम से दर्ज की जायेगी, जिससे नियमित उपस्थिति, अनुशासन, कक्षाओं में सहभागिता तथा शिक्षण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि समय पर प्रवेश, समय पर परीक्षा और समय पर परिणाम, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की आधारशिला हैं। परीक्षा प्रणाली को पूर्णतः पारदर्शी, तकनीक आधारित एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए डिजिटल मूल्यांकन, ऑनलाइन परीक्षा प्रबंधन तथा आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग किया जाए। विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित सर्वोपरि हैं और उनसे किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ऊंचाई बढ़ाए बिना पुलिया पर कर दिया डामरीकरण, बरसात में आवागमन ठप

गोटेगांव। तहसील क्षेत्र में मानसून की पहली झमाझम बारिश ने लोक निर्माण विभाग के घटिया निर्माण की पोल खोल दी है।

गोटेगांव से नरसिंहपुर जाने वाले सांकल सड़क मार्ग पर कमोद रहली के पास स्थित पुलिया गुरुवार को पहली बारिश में ही पूरी तरह पानी में डूब गई। पुलिया के ऊपर से करीब 2 फीट पानी बहने के कारण कुछ समय तक आवागमन बाधित रहा। इसी दौरान सैकड़ों वाहन दोनों ओर फंसे रहे।

पुरानी बीमारी, नया डामर॰ ग्रामीणों ने बताया कि यह पुलिया हर साल बारिश में डूबती थी। कुछ माह पूर्व सांकल सड़क का नवीन निर्माण हुआ, लेकिन ठेकेदार ने पुलिया की ऊंचाई तकनीकी मापदंड अनुसार बढ़ाने की बजाय पुरानी नीची पुलिया के ऊपर ही डामरीकरण कर दिया।ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों की सड़क बन गई, पर पुलिया की मूल समस्या जस की तस रही।

नगर पालिका की सराहनीय पहल

मानसून की पहली बारिश में नगर पालिका॰ ई-रिक्शा से मुनादी

नालियों से अतिक्रमण हटाएं, अन्यथा होगी कार्यवाही

गोटेगांव==विगत दिवस हुई भारी वर्षा के दौरान नए बस स्टैंड के सामने स्थित इंजीनियर रोहित जैन के मकान में लगभग एक फुट तक पानी भर गया। सूचना मिलते ही नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संबंधित मकान के सामने नाली के ऊपर लगभग 15 फुट लंबी लोहे की चादर एवं डस्ट पेवर ब्लॉक लगाकर नाली को ढंक दिया गया था, जिससे जल निकासी बाधित हो गई थी और आसपास के मकानों में भी पानी भर गया। नगर पालिका की टीम ने तत्काल उक्त अवरोध हटाकर नाली की सफाई कर जल निकासी को सुचारु कराया।

इसी क्रम में रुद्र वार्ड स्थित अल्का मेरिज गार्डन के सामने नाली पर रखे ठेले हटवाकर पानी की निकासी सुनिश्चित कराई गई। नगर पालिका द्वारा स्पष्ट किया गया कि नालियों पर किए गए अस्थायी अथवा स्थायी अतिक्रमण बारिश के दौरान जलभराव एवं परेशानी का प्रमुख कारण बनते हैं।

मुनादी के माध्यम से आम नागरिकों को सूचित किया गया कि जिन व्यक्तियों ने नालियों के ऊपर टीनशेड, चाय-पान के ठेले, दुकानें अथवा अन्य प्रकार के अतिक्रमण कर रखे हैं, वे उन्हें तत्काल प्रभाव से हटा लें, जिससे वर्षा जल की निकासी बाधित न हो। अन्यथा नगर पालिका प्रशासन स्वयं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेगा तथा कार्रवाई में होने वाला समस्त व्यय संबंधित व्यक्ति से वसूला जाएगा।

नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से बचने के लिए नालियों को अतिक्रमण मुक्त रखने में प्रशासन का सहयोग करें। अधिकारियों का कहना है कि नागरिकों के सहयोग से ही नगर में जल निकासी व्यवस्था सुचारु रह सकेगी और आमजन को जलभराव जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अब पावर जनरेटिंग कंपनी के कार्मिकों के घरों पर चमकेगी सौर ऊर्जा

सोलर रूफटॉप योजना लागू, हजारों को मिलेगा लाभ; हरित ऊर्जा अभियान को मिलेगी नई गति

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने अपने कार्मिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल करते हुए सोलर रूफटॉप प्लांट योजना लागू कर दी है। मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा विभाग के निर्देशों के अनुरूप जारी इस योजना से कंपनी के सभी नियमित कार्मिकों को अपने आवास पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराने की सुविधा मिलेगी। कंपनी के इस निर्णय को कार्मिकों के कल्याण के साथ-साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सरल प्रक्रिया और सर्वाधिक लाभ-योजना लागू होने के बाद कार्मिकों में उत्साह का माहौल है। अब इच्छुक कार्मिक प्रदेश की संबंधित विद्युत वितरण कंपनी (डिस्कॉम) की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और सूचीबद्ध विक्रेताओं में से अपनी पसंद के विक्रेता का चयन कर सोलर प्लांट स्थापित करा सकेंगे। पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है ताकि अधिक से अधिक कार्मिक इसका लाभ उठा सकें। इस योजना के तहत 3 किलोवाट तक की क्षमता वाले सोलर रूफटॉप प्लांट की स्थापना के लिए विद्युत वितरण कंपनी पात्रता के अनुसार निर्धारित राशि का 50 प्रतिशत सीधे चयनित विक्रेता को देगी। शेष राशि संयंत्र की सफल स्थापना एवं आवश्यक प्रमाणन के बाद जारी की जाएगी। इससे कार्मिकों पर एकमुश्त वित्तीय भार कम होगा और सौर ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया आसान बनेगी।कल्याणकारी पहल नहीं, बल्कि जनआंदोलन का प्रयास है-कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता के संकल्प को साकार करने में सौर ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्मिकों को इस योजना से जोड़ना केवल एक कल्याणकारी पहल नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के जनआंदोलन को गति देने का प्रयास है। कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन दीपक कश्यप ने कार्मिकों से योजना का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि देश तेजी से स्वच्छ ऊर्जा आधारित भविष्य की ओर बढ़ रहा है और कंपनी परिवार को भी इस परिवर्तन का सक्रिय भागीदार बनना है।

उन्होंने कहा कि परिवर्तन की शुरुआत अपने घर से होनी चाहिए और कंपनी इसी सोच के साथ अपने कार्मिकों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

तेज बारिश में भी मैदान पर डटी नगर निगम की टीम,स्वच्छता मित्रों के सेवा और समर्पण की की गई सराहना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मानसून की तेज बारिश के बीच आम जनजीवन को सुचारू बनाए रखने के लिए नगर निगम की पूरी टीम मुस्तैदी के साथ मैदान में उतर गई है। इस संबंध में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि जलभराव की स्थिति से निपटने और नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए नगर निगम द्वारा शहर के सभी 16 संभागों में कंट्रोल रूम को पूरी तरह से अलर्ट और एक्टिव मोड पर रखा गया है।

?मोतीनाले का निरीक्षण, जल बहाव सुचारू

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि बारिश के दौरान जलभराव की संवेदनशील जगहों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में आज नगर निगम की टीम द्वारा मोतीनाले का धरातलीय भ्रमण किया गया। टीम ने नया पुल से लेकर गुलहला पुल तक की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अमले द्वारा की गई पूर्व तैयारियों के चलते नाले में पानी का बहाव पूरी तरह सुचारू रूप से जारी है और कहीं भी अवरोध की स्थिति नहीं है।

?घर से बाहर हैं हमारे स्वच्छता योद्धा

स्वच्छता मित्रों समर्पण विपरीत परिस्थितियों में धरातल पर काम करने वालों का कार्य अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में भी नगर निगम के %स्वच्छता मित्र सड़कों और नालों के पास मुस्तैद रहकर हमारे रास्तों को आसान बनाते हैं।

?सेवा और समर्पण का सम्मान

नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि आपदा और भारी बारिश के इस दौर में अपनी परवाह किए बिना शहर को सुरक्षित रखने वाले इन स्वच्छता मित्रों के प्रति सकारात्मक नजरिया रखें। अपनी कर्तव्यनिष्ठा से शहर को सफाई मित्रों की सेवा, लगन और समर्पण का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है।

?कंट्रोल रूम के माध्यम से शहर के हर कोने पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति या जलभराव की सूचना पर तत्काल राहत दल को मौके पर भेजा जा सकेगा।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

मज़ाक जैसा महसूस हुआ

अमेरिका के हालिया व्यवहार को ध्यान में रखें, तो ट्रंप का यह कहना कि जब तक नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, हमला होने पर अमेरिका भारत की मदद के लिए खड़ा होगा, मज़ाक जैसा महसूस हुआ है! नरेंद्र मोदी से डॉनल्ड ट्रंप की मुलाकात से कुछ घंटे पहले ही अमेरिकी युद्ध मंत्रालय ने अपने इंडो-पैसिफिक कमांड के नाम से 'इंडो' शब्द हटा दिया। अब उसे यूएस पैसिफिक कमांड के पुराने नाम से जाना जाएगा। 2018 में ट्रंप-1 प्रशासन ने जब इंडो-पैसिफिक नाम रखा, तब तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस ने कहा था- 'हमें हिंद महासागर, भारतीय उपमहाद्वीप, और निश्चित रूप से खुद भारत के बढ़ रहे महत्त्व को समझने की जरूरत है। इसलिए मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं नाम यथार्थ को प्रतिबिंबित करे।'

ट्रंप-2 प्रशासन की निगाह में वो यथार्थ बदल गया है- यह उसके नए राष्ट्रीय सुरक्षा दस्तावेज से जाहिर हो गया था, जिसमें भारत का उल्लेख संदर्भवश हुआ। ट्रंप के व्यवहार और उनके प्रशासन के कदमों का सार भी यही है कि उनकी रणनीतिक सोच में भारत की पहले जैसी अहमियत नहीं रही। आठ साल पहले चीन को घेरना और उसका उदय रोकना अमेरिका की प्राथमिकता बनी थी। ट्रंप-2 प्रशासन का आकलन है कि चीन महाशक्ति बन चुका है और अब चुनौती उसके साथ तालमेल बनाकर टकराव टालने की है। इसीलिए अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान ट्रंप 'रणनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने वाले रचनात्मक संबंध' के चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रस्ताव पर सहमत हो गए।

चीन के राष्ट्रपति से अपनी मुलाकात को उन्होंने जी-2 कहना शुरू किया है। जी-7 शिखर बैठक के मौके पर फ्रांस के एवियन में हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मोदी की मौजूदगी में उन्होंने सितंबर में तय जी-2 बैठक का जिक्र किया।

भाई-बहन की जोड़ी मोदी-ताकाइची ने रचा इतिहास, हिंद प्रशांत में संतुलन की नई धुरी बने भारत-जापान

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया।

भारत और जापान ने अपने विशेष सामरिक वैश्विक साझेदारी संबंधों को नई मजबूती देते हुए नई दिल्ली में आज कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के बीच हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपूर्ति श्रृंखला और हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने साफ संकेत दिया कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी बनकर उभर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताकाइची को अपनी छोटी बहन बताते हुए भारत और जापान के बीच बौद्ध सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया, विशेषकर जापान के नारा प्रांत से भारत के ऐतिहासिक जुाव को रेखांकित किया। वहीं ताकाइची ने भी मोदी को अपना 卐बड़े भाई बताया और कहा कि दोनों देशों के संबंध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग रहा। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में संयुक्त वक्तव्य जारी किया और भारतीय तथा जापानी संस्थानों के बीच कई समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की सूक्ष्म तकनीकी क्षमता और भारत की साफ्टवेयर विशेषज्ञता का मेल वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास को नई दिशा देगा। यह सहयोग केवल तकनीकी नहीं बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया में तकनीकी प्रतिस्पर्धा तेजी से भू राजनीतिक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर रही है। रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। भारत और जापान ने अपने पहले संयुक्त रक्षा विकास परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना नौसैनिक रेडियो एंटीना प्रणाली 卐यूनिकॉर्न卐 के सह विकास से संबंधित है। इस समझौते को हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम कदम माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि दोनों देश क्वॉड समूह के सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर से लेकर पूर्वी चीन सागर तक बदलते सामरिक समीकरणों के बीच यह रक्षा सहयोग विशेष महत्व रखता है। साथ ही भारत और जापान ने ऊर्जा सुरक्षा तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई। सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिज, धातु और उर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए साझा रूपरेखा तैयार की जाएगी। दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार व्यवस्था पर भी चर्चा की, जिसके तहत रुपये और येन में सीधे व्यापार की संभावना पर काम होगा। इससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो सकती है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं को अधिक रणनीतिक स्वायत्तता मिलेगी। साथ ही जापान ने अगले दस वर्षों में भारत में दस ट्रिलियन येन निवेश करने की घोषणा दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी की जाएगी। वर्तमान में जापान भारत के सबसे बड़े निवेशकों में शामिल है और मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन रेल परियोजना सहित कई आधारभूत ढांचा योजनाओं में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जापान की प्रधानमंत्री के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी इस बात का स्पष्ट संकेत था कि टोक्यो भारत में निवेश बढ़ाने जा रहा है।

साथ ही दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है। औषधि, चिकित्सा उपकरण और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े समझौतों के माध्यम से दोनों देशों ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की व्यापक उत्पादन क्षमता और जापान की गुणवत्ता आधारित तकनीक मिलकर विश्व को सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकती हैं। इसके साथ ही भारत जापान जैव गैस पहल के अंतर्गत भारत में एक हजार जैव गैस और जैविक उर्वरक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है। चीन की सैन्य सक्रियता, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा संकट और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भारत और जापान को और करीब ला दिया है। अमेरिका की विश्वसनीयता को लेकर उठते सवालों के बीच टोक्यो अब नई दिल्ली को अपने सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारों में देख रहा है।

विशेष लेख : प्रकृति की गोद में बसा जशपुर का अनुपम पर्यटन स्थल 'रानीदाह'

सुनील त्रिपाठी, नूतन सिदार

छत्तीसगढ़ का जशपुर जिला अपनी प्राकृतिक संपदा, घने वनों, पहाड़ियों और मनमोहक जलप्रपातों के लिए पूरे प्रदेश में विशेष पहचान रखता है। इन्हीं प्राकृतिक धरोहरों में शामिल है रानीदाह जलप्रपात, जो अपनी अलौकिक सुंदरता, शांत वातावरण और ऐतिहासिक लोककथाओं के कारण पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। जशपुर नगर से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह पर्यटन स्थल प्रकृति प्रेमियों, फोटोग्राफी के शौकीनों और रोमांच पसंद पर्यटकों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

प्रकृति की गोद में बसा जशपुर का अनुपम पर्यटन स्थल 'रानीदाह'

रानीदाह तक पहुँचने का सफर भी अपने आप में यादगार अनुभव है। हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों, घने साल के जंगलों और घुमावदार खूबसूरत सड़कों से गुजरते हुए जैसे ही पर्यटक इस स्थल पर पहुँचते हैं, सामने ऊँची चट्टानों से गिरती दूधिया जलधारा, चारों ओर फैली हरियाली और पक्षियों का मधुर कलरव मन को सुकून से भर देता है। विशेषकर वर्षा ऋतु में यह जलप्रपात अपने पूरे वैभव में दिखाई देता है, जब पानी अनेक धाराओं में विभाजित होकर ऊँचाई से नीचे गिरता है और अद्भुत प्राकृतिक दृश्य प्रस्तुत करता है।

लोककथा से जुड़ी है रानीदाह की पहचान

रानीदाह केवल प्राकृतिक सौंदर्य का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि यह स्थानीय लोककथाओं और जनश्रुतियों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। प्रचलित मान्यता के अनुसार, बहुत समय पहले ओडिशा की राजकुमारी रानी शिरोमणि इन पहाड़ियों तक पहुँची थीं। जब उनके पिता और पाँच भाई उनका पीछा करते हुए यहाँ आए, तब रानी ने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए इसी गहरी खाई में छलांग लगाकर अपने प्राण त्याग दिए। तभी से इस स्थान का नाम रानीदाह पड़ा, जिसका अर्थ है 'रानी का जलप्रपात'। झरने के समीप स्थित कुछ चट्टानों को आज भी स्थानीय लोग 'पाँच भैया' के नाम से जानते हैं, जिन्हें रानी के पाँच भाइयों का प्रतीक माना जाता है।

युद्ध से उपजी महंगाई शांति समझौते के बाद कम करें सरकार

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध तथा उसके बाद शांति समझौते पर पूर्ण सहमति नहीं बनने के कारण ईरान ने अमेरिका पर वैश्विक दबाव बनाने की रणनीति अपनाई। इसी हठधर्मिता के चलते उसने अपनी सीमाओं के निकट स्थित अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापारिक मार्ग (जलडमरूमध्य) से अमेरिका और उसके समर्थक देशों के जहाजों का आवागमन अपनी शर्तें पूरी होने तक लगभग चार माह तक बाधित रखा। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत सहित पूरी दुनिया में कच्चे तेल और गैस की कीमतें आसमान छूने लगीं। भारत सरकार ने देश में तेल और गैस की संभावित कमी तथा बढ़ती कीमतों का बोझ आम जनता पर यथासंभव कम डालने का प्रयास किया। विश्व के अनेक देशों की तुलना में भारत में पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम अपेक्षाकृत बाद में और सीमित स्तर पर बढ़ाए गए। यह भी सत्य है कि विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत की लगभग 80 प्रतिशत तेल एवं गैस की आवश्यकता मध्य-पूर्व के देशों से पूरी होती है। भारत में प्रतिदिन लगभग 55 लाख बैरल (करीब 90 करोड़ लीटर) पेट्रोल और डीजल की खपत होती है, जो पड़ोसी देश श्रीलंका की एक वर्ष की कुल खपत के लगभग बराबर है। भारत में एक महीने में जितना डीजल खपत होता है, उतना डीजल न्यूज़ीलैंड, मलेशिया, नॉर्वे जैसे कई देशों में पूरे वर्ष में भी उपभोग नहीं होता। युद्ध और उसके बाद बने हालातों का असर भारत में भी महंगाई के रूप में देखने को मिला। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ा। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतों के कारण परिवहन, खाद्यान्न तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ गए। देशभर के होटलों और रेस्टोरेंटों में नाश्ते एवं भोजन की कीमतों में गैस की बढ़ी लागत के कारण सीधे 5, से 20 रुपये तक की वृद्धि देखने को मिली। देश की जनता ने युद्ध जनित परिस्थितियों से उत्पन्न महंगाई को मजबूरी समझ कर स्वीकार भी किया। किंतु अब जबकि मध्य-पूर्व में शांति समझौते के बाद हालात सामान्य हो रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल तथा गैस की कीमतों में गिरावट आ रही है, तब केंद्र और राज्य सरकारों से विनम्र निवेदन है कि जिन वस्तुओं और सेवाओं के दाम ऊर्जा लागत बढ़ने के नाम पर बढ़ाए गए थे, उन्हें भी उसी गति से कम कराने का प्रयास किया जाए। होटल, रेस्टोरेंट, ट्रैवल एजेंसियां, बस संचालक तथा अन्य सेवा प्रदाता भी अपनी दरों में कमी करें, ताकि देश के गरीब और मध्यम वर्ग को वास्तविक राहत मिल सके। विडंबना यह है कि देश में तेल की कीमतें बढ़ते ही गरीब और मध्यम वर्ग की थाली से जुड़ी खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं के दाम तत्काल बढ़ जाते हैं, लेकिन जब तेल की कीमतें कम होती हैं, तब इन वस्तुओं के दाम शायद ही कभी घटते हैं। परिणामस्वरूप तेल की कीमतों में आई कमी का लाभ गरीब और मध्यम वर्ग तक नहीं पहुंच पाता। सरकार को चाहिए कि वह इस विषय पर प्रभावी निगरानी रखे और बाजार में आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों को तर्कसंगत स्तर पर लाने के लिए ठोस कदम उठाए। यदि युद्ध के समय बढ़ी हुई कीमतों को उचित माना गया था, तो शांति के समय उनका कम होना भी उतना ही आवश्यक है। इससे आम जनता, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्ग, को महंगाई से राहत मिलेगी और आर्थिक संतुलन भी मजबूत होगा।

अरविंद रावल
गोपाल कॉलोनी, झाबुआ म.प्र.

ऊं का उच्चारण करना शरीर और मन दोनों के लिए है लाभकारी

इंदौर। भारत की प्राचीन योग और ध्यान परंपरा में ऊं का विशेष महत्व माना गया है। यह तीन मुख्य ध्वनियों- अ, उ और म से मिलकर बना है। इसका उच्चारण किसी भी आयु वर्ग का व्यक्ति अपनी क्षमता और सुविधा के अनुसार कर सकता है। नियमित रूप से ऊं का उच्चारण करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

यह कहना है प्राकृतिक चिकित्सक भानु सरकानुनगो का। उनके अनुसार ऊं का उच्चारण करते समय शरीर में कंपन उत्पन्न होता है, जिससे पेट और श्वसन तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। नियमित अभ्यास से पाचन क्रिया बेहतर हो सकती है और पेट की अतिरिक्त चर्बी कम करने में भी सहायता मिल सकती है। इसके साथ ही यह फेफड़ों को सक्रिय बनाता है, जिससे सांस लेने की क्षमता में सुधार हो सकता है।

वहीं ऊं के उच्चारण से अस्थमा के मरीजों को भी इससे राहत मिलती है। यह फेफड़ों में जमा कफ को बाहर निकालने में मदद कर सकता है और गले की खराश को कम करने में सहायक माना जाता है। उच्चारण मन को शांत करने का एक सरल तरीका माना जाता है। इससे शरीर में मौजूद नकारात्मकता और तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय : सरल, सादगी और संवेदनशीलता के साथ विकास यात्रा का सशक्त नेतृत्व

तेजबहादुर सिंह भुवाल

किसान परिवार से निकलकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सरल व्यक्तित्व, विनम्र व्यवहार और जनसेवा की भावना से जनता के बीच एक अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री साय का सार्वजनिक जीवन सादगी, जनसेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। लंबे समय तक जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, वनवासियों, युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को निकट से समझा और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। सत्ता के शीर्ष पद पर होने के बावजूद उनकी सादगी और सहजता आज भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्यमंत्री साय आम जनता से सीधे संवाद को लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मानते हैं। जनदर्शन, सुशासन तिहार और विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से वे स्वयं लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाधान के लिए त्वरित पहल करते हैं। बुजुर्गों के प्रति सम्मान, बच्चों के प्रति स्नेह तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्परता उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है। आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री साय अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से गहराई से जुड़े हुए हैं। गांवों में बैठकर लोगों से चर्चा करना, उनकी समस्याओं को समझना और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

पिछले ढाई वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनकल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अधोसंरचना, निवेश और सुशासन के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा है।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 8,200 करोड़ रूपये का बजट महतारी वंदन योजना के लिए आवंटित किया है। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिलाओं के स्वावलंबन, स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार ला रही है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं। राज्य सरकार ने धान खरीदी को प्राथमिकता देते हुए किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित की तथा लाखों किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचाया। प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने बड़ी पहल करते हुए लाखों आवासों को स्वीकृति प्रदान की। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

जानिए क्यों है इतनी खास यह नगरी

हमारे यहां भारत में घूमने-फिरने के लिए एक से बढ़कर एक जगहें मौजूद हैं। वहीं भारत घुमक्कड़ों से भरा हुआ है। आमतौर पर लोग पहाड़ों और बीच पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में स्प्रिचुअल टूरिस्म का क्रेज लोगों में काफी देखने को मिल रहा है। बता दें कि भारत में कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जहां पर सिर्फ घूमना नहीं बल्कि इतिहास और आध्यात्मिकता को महसूस करना भी है।

अक्सर धार्मिक जगहों के बारे में बात करते हुए मथुरा-काशी का जिक्र होता है। वहीं भारत में एक ऐसी जगह भी है, जिसको हजार मंदिरों वाली नगरी कहा जाता है। यह जगह कांचीपुरम में है। जोकि साउथ इंडिया में हैं। जो भी यहां आता है, तो इसकी खूबसूरती का जिक्र करते नहीं थकता है।

हजार मंदिरों की नगरी कांचीपुरम को हजारों मंदिरों का शहर इसलिए कहा जाता है, क्योंकि पुराने समय में यहां पर करीब 1000 मंदिर थे। यह मंदिर अलग-अलग राजवंशों, चोल, पल्लवों और विजयनगर के समय में बनवाए गए थे। आज भी यहां पर 100 से अधिक बड़े और खूबसूरत मंदिर देखने को मिलेंगे। यह मंदिर अपनी नक्काशी और वास्तुकला के लिए दुनियाभर में फेमस है।

क्यों खास है यहां के मंदिर कांचीपुरम में जितने भी मंदिर है, वह सिर्फ पूजा के लिए नहीं बल्कि कला और इतिहास का जीता-जागता उदाहरण है।

दिल्ली: वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है।

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यत: पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है-भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा। दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंतत: मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है। ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा। समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि-आज का दिन आपके लिये बढ़िया रहने वाला है। आज बिजनेस में आपको लाभ के अवसर मिलेंगे। इस राशि के जिन लोगों को रोजगार की तलाश है, उन्हें रोजगार पाने का आज सुनहरा अवसर मिलेगा।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन पल लेकर आने वाला है। आज दूसरों के साथ आपका अच्छा तालमेल बना रहेगा। पिता के सहयोग से आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में बॉस से आपको पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। लवमेट कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे। किसी काम में आ रही रुकावटों का समाधान माता-पिता के द्वारा मिलेगा।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज के दिन आपको कोई बड़ा फैसला लेने से बचना चाहिए। आपको अपने काम के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाने की जरूरत है। आपके अटके हुए कुछ काम आज पूरे हो जायेंगे।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज कार्यस्थल पर सबके साथ आपका तालमेल बेहतर बना रहेगा। आर्थिक रूप से आपको बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

कन्या राशि-आज का दिन आपके लिए लाभ देने वाला रहेगा। आज आर्थिक योजनाओं के लिये लिया गया फैसला लाभदायक होगा। आज आप परिवार वालों के साथ भगवान के दर्शन के लिए मंदिर जायेंगे, मन में भक्ति भाव बना रहेगा।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपके दाम्पत्य जीवन में चल रही दूरियां खत्म होगी। बिजनेस की गति बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज आप उन चीजों को ज्यादा महत्व देंगे, जो आपके साथ ही आपके परिवार के लिए भी महत्वपूर्ण है। आप अपने परिवार और काम के बीच संतुलन बनाकर चलेंगे।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज करियर के मामले में आपको कोई बड़ी सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर राशि-आज आपका दिन हर्षो-उल्लास से भरा रहने वाला है। आपको अपनों से खूब सारा प्यार मिलेगा। आप अधिक सफलता पाने के लिये अपने प्रयासों को जारी रखेंगे। कुछ खास लोगों से आपकी निकटता बनी रहेगी। अगर आप प्रॉपर्टी डीलर हैं, तो आपको फायदा होगा। सेहत के मामले में आप खुद को फिट महसूस करेंगे।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिये कुछ खास लेकर आया है। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। कुछ जरुरी काम थोड़ी ही मेहनत करने से पूरे हो जायेंगे। अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे है।

मीन राशि-आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे। बिजनेस संबंधी किसी काम में आपको दोस्त की मदद लेनी पड़ेगी। आप किसी रिलेटिव के साथ मिलकर नये बिजनेस में पैसा लगाने के बारे में सोच रहे हैं, तो

विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस वार्ता में भारत ने ईरान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और प्रवासी भारतीयों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त किया है और अंतिम संस्कार समारोह में भाग लेने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंच रहा है।

भारत-जापान में हुई कई समझौते, प्रधानमंत्री बोले- दोनों देशों की साझेदारी का नया अध्याय शुरू

नईदिल्ली (आरएनएस)। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची अपने पहले भारत दौरे पर हैं। आज राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद हैदराबाद हाउस में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान दोनों देशों में कई अहम समझौते हुए। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और जापान के बीच सिर्फ आर्थिक साझेदारी ही नहीं, बल्कि विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और साझा हितों का भी मजबूत रिश्ता है।

दोनों देशों ने कई सहयोग ज्ञापन का आदान-प्रदान किया, जिसमें व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और रणनीतिक सहयोग सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने और अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति जताई गई। दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग, फार्मास्युटिकल, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सप्लाई चेन, निवेश और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत और जापान ने अपनी पहली रक्षा सह-विकास परियोजना पर हस्ताक्षर किए हैं, जो द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग में एक नए चरण की शुरुआत है। उन्होंने कहा, हम संयुक्त रूप से रक्षा प्रौद्योगिकियों का विकास करेंगे, जो क्षेत्रीय शांति, समुद्री सुरक्षा और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में योगदान देंगी। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में भारत और जापान के बीच लगभग 120 नए व्यापारिक समझौते हुए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री तकाइची, मेरी छोटी बहन का मैं स्वागत करता हूं। भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए उनकी पहली भारत यात्रा पर मुझे बेहद खुशी है। जी-7 शिखर सम्मेलन में मैंने कहा था कि वैश्विक उथल-पुथल के दौर में आपसी विश्वास हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है। मुझे गर्व है कि भारत-जापान की साझेदारी इस कसौटी पर खरी उतरती है। प्रधानमंत्री ने ताकाइची की यात्रा को दोनों देशों की साझेदारी में नए अध्याय की शुरुआत बताया।ताकाइची ने कहा, दोनों देशों को अपनी-अपनी शक्तियों का लाभ उठाकर एक साथ अधिक मजबूत और समृद्ध बनना चाहिए, खासकर बढ़ते वैश्विक अनिश्चितता के दौर में। हम रणनीतिक संबंधों को गहरा करने सहित सहयोग के 3 क्षेत्रों को प्राथमिकता देने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करेंगे और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। भारत ने अगले 10 सालों में जापान से 10 ट्रिलियन येन के निवेश का लक्ष्य घोषित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने गोवर्धन पहल कार्यक्रम के तहत भारत-जापान बायोगैस पहल शुरू करने की घोषणा की। इससे देश में बायोगैस संयंत्रों की स्थापना में मदद मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों ने ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा पर एक संयुक्त रोडमैप तैयार किया है। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने जापानी पीएम का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची का बहुत गर्मजोशी से स्वागत है, जो आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली आई हुई हैं। पीएम ताकाइची का स्वागत एमओएस डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया। यह दौरा भारत और जापान के बीच रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने में एक जरूरी कदम है।

इससे पहले दिन में, भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने कहा कि ताकाइची का दौरा दोनों पक्षों के लिए लोगों के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने का एक बड़ा मौका होगा।

महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम को एक बड़ी सफलता मिली है।` मामले में तीन और प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद इस पूरे रैकेट में गिरफ्तार होने वाले लोगों की संख्या अब सात हो गई है। गिरफ्तार किए गए नए आरोपियों में मोस्ट वांटेड कपिल दहिया भी शामिल है, जिसे पंजाब के पठानकोट से पकड़ा गया है। इसके अलावा, मुख्य आरोपी को कानून की पकड़ से बचाने और साजिश में मदद करने के आरोप में दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है

पंजाब बीजेपी प्रमुख केवल सिंह ढिल्लों ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब सरकार को राज्य की हर महिला को 51,000 रुपये देने चाहिए। यह रकम पिछले चुनावों से पहले किए गए वादे के तहत दी जाने वाली आर्थिक मदद में देरी के लिए है

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी, ट्रस्ट में बढ़ी अंदरूनी कलह

अयोध्या,(आरएनएस)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। पहली बार ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास महाराज ने पूर्व पदाधिकारी गोपाल राव पर खुलकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जिम्मेदारी गोपाल राव की है और वे राजनीति कर रहे हैं।

महंत दिनेंद्र दास ने कहा, पूरी गलती गोपाल राव की है। वे सभी को उलझा देते हैं और राम की परंपरा को नहीं मानते। गोपाल राव राम मंदिर निर्माण के प्रभारी और ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य रहे हैं। वे मूल रूप से कर्नाटक के निवासी हैं।

उधर, सूत्रों के अनुसार चढ़ावा चोरी के आरोपियों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। अयोध्या विकास प्राधिकरण (ष्ठ) ने उन मकानों की पहचान कर ली है, जिनका निर्माण बिना स्वीकृत नक्शे के हुआ है या जिनमें नियमों का उल्लंघन किया गया है। ऐसे मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी लवकुश मिश्रा का शहादतगंज में बन रहा मकान और अनुकल्प मिश्रा का कौशल पुरी स्थित मकान प्रशासन के रडार पर हैं। दोनों आरोपियों ने मंदिर में नौकरी मिलने के बाद ये मकान बनवाए थे।ष्ठ आज ही दोनों को नोटिस जारी कर सकता है। वहीं, जांच एजेंसियां मामले की तह तक पहुंचने में जुटी हैं। अयोध्या पुलिस ने 30 जून को अयोध्या जेल में बंद आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ की थी और अब आगे की जांच जारी है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से रविवार को करीब तीन घंटे पूछताछ हो चुकी है। अब उनके बयानों का मिलान करने के लिए ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा से भी पूछताछ की जा सकती है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि आरोपियों लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा की नियुक्ति में उनकी क्या भूमिका थी। गौरतलब है कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। इसके बाद 13 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) का गठन किया। 25 जून को एफआईआर दर्ज होने के बाद रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी दिन ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत कई शहरों में पहुंचा मानसून, मुंबई में रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के कई शहरों में आधिकारिक तौर पर मानसून पहुंच गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन की आधिकारिक घोषणा की। इससे राज्यों में पिछले काफी दिनों से चल रही भीषण गर्मी और उमस से निजात मिली। गुरुवार की सुबह दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत पूर्वी जिलों में भी बादल जमकर बरसे।

बम-बम भोले' के जयकारों के बीच अमरनाथ यात्रा शुरू - पहला जत्था रवाना, 28 अगस्त तक होंगे बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर,(आरएनएस)। पवित्र अमरनाथ यात्रा 2026 का शुभारंभ गुरुवार को 'बम-बम भोले' के गगनभेदी जयकारों के बीच हो गया। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से सुबह 4 बजे श्रद्धालुओं का पहला जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए रवाना किया।

57 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 3 जुलाई से पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों से संचालित होगी और 28 अगस्त (रक्षाबंधन) को संपन्न होगी।पहले जत्थे में केवल उन्हीं श्रद्धालुओं को शामिल किया गया, जिन्होंने पहले से पंजीकरण कराया था, क्रस्नढ्ढष्ठ कार्ड प्राप्त किया था और ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की थी। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक करीब चार लाख श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, चिकित्सा, परिवहन, आवास, संचार और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पहले ही पूरी कर ली हैं, ताकि यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न हो सके। यात्रा शुरू होने से एक दिन पहले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को बेस कैंप का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं, ठहरने की व्यवस्था,

आस्था और विश्वास की प्रतीक वार्षिक अमरनाथ यात्रा का शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर आगाज़ हो गया। इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को पत्र लिखकर अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

बादल फटने से जलप्रलय जैसे हालात! जम्मू-कश्मीर के कई गांवों का टूटा संपर्क

जम्मू,(आरएनएस)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी औपचारिक दस्तक दे दी है। हालांकि, मानसून के आगमन का पहला ही दिन इन दोनों प्रदेशों के लिए भारी तबाही लेकर आया। मौसम के अचानक बदले मिजाज के कारण जम्मू-कश्मीर के डोडा, किश्तवाड़ और बांडीपोरा समेत करीब आधा दर्जन इलाकों में बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं, जिसके बाद आई अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने बड़े पैमाने पर जनजीवन को प्रभावित किया है। श्रीनगर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. मुख्तयार अहमद ने दोनों केंद्र शासित राज्यों में मानसून के सक्रिय होने की आधिकारिक पुष्टि की है।बादल फटने और मूसलाधार बारिश के बाद आए पहाड़ी मलबे के कारण कई प्रभावित इलाकों में प्रमुख संपर्क मार्ग और सड़कें पूरी तरह बंद हो गई हैं। अचानक आए तेज बहाव की वजह से बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है और कई दूरदराज के गांवों का संपर्क जिला मुख्यालयों से कट गया है। राहत की बात यह रही कि इतनी भीषण आपदा के बावजूद अभी तक कहीं से भी किसी भी प्रकार के जानी नुकसान (जनहानि) की कोई अप्रिय सूचना नहीं है

तमिलनाडु में कम बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता, वडामाल्ली की फसल पर संकट

कोयंबटूर,(आरएनएस)। लंबे समय से बारिश न होने के कारण तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के वडमल्ली किसान अपनी फसल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। थोंडामुथुर ब्लॉक में फूलों वाले पौधों के बड़े-बड़े हिस्से सूखने लगे हैं।

इस इलाके के किसानों का कहना है कि गर्मियों में अच्छी बारिश न होने और उसके बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून की कम बारिश की वजह से पानी की भारी कमी हो गई है। इससे ओणम के मुनाफे वाले बाजार के लिए लगाई गई फसलों पर बुरा असर पड़ा है।

वडिवेलमपालयम, मुगासिमंगलम, मोलापालयम और कलिमंगलम गांवों में 500 एकड़ से अधिक जमीन पर वडमल्ली (गोम्फ्रेना ग्लोबोसा, जिसे आम तौर पर ग्लोब अमरैंथ कहा जाता है) की खेती की गई है। इस फसल को तैयार होने में लगभग 150 दिन लगते हैं और करीब 120 दिनों के बाद इसमें फूल आने लगते हैं। ओणम के मौसम में केरल में त्योहार की मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। हालांकि, कई कमर्शियल फसलों की तुलना में इसे कम सिंचाई की जरूरत होती है, लेकिन किसानों का कहना है कि नमी की मौजूदा कमी ने पौधों को खत्म होने की कगार पर पहुंचा दिया है। वडिवेलमपालयम के किसान आर. कार्तिकेयन ने बताया कि शुरुआत में फसल अच्छी तरह बढ़ रही थी,

हैदराबाद के होटलों में मटन बताकर बीफ करते थे सप्लाई, पुलिस ने दो लोगों को दबोचा

हैदराबाद ,(आरएनएस)। हैदराबाद की क्राइम टीम, सेंट्रल क्राइम स्टेशन (ष्टष्टस्) और फूड एडल्ट्रेशन सर्विलांस टीम (॥-स्नस्ञ्ज) ने मंगलवार को कई होटलों में मटन बताकर बीफ सप्लाई करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान मल्लेपल्ली में उस्मान मीट शॉप के मालिक मोहम्मद उस्मान और अयान बीफ शॉप के कर्मचारी मोहम्मद जहांगीर पाशा के तौर पर हुई है। हैदराबाद पुलिस के मुताबिक, ये दोनों होटलों में मटन बताकर बीफ सप्लाई कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान 50 किलो मीट जब्त किया गया, जिसमें बीफ मिला हुआ था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को हबीब नगर पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

पटना। स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस), पटना का दौरा कर परिसर में चल रहे पुनर्विकास एवं विस्तार कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी जिले में एक टोल प्लाज़ा के पास टैंकर में आग लगने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। फुटेज में वह भयानक पल कैद हुआ

प्रदूषण नियंत्रण के लिए स्थायी व्यवस्था लागू, सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- बिना पीयूसी नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सर्दियों में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनके तहत 1 नवंबर से सरकारी और निजी दफ्तरों में कर्मचारियों की उपस्थिति को सीमित किया जाएगा। नए नियमों के अनुसार, दफ्तरों में एक समय पर केवल 50 त्न कर्मचारी ही काम करेंगे, जबकि बाकी कर्मचारी घर से काम यानी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। यह व्यवस्था प्रदूषण के स्तर को कम करने और सड़कों पर वाहनों की संख्या घटाने के उद्देश्य से लागू की जाएगी।

इसके साथ ही दिल्ली में वाहनों की पार्किंग दरों को दोगुना करने का फैसला लिया गया है। सरकार का मानना है कि पार्किंग शुल्क बढ़ने से लोग निजी वाहनों का कम इस्तेमाल करेंगे और सार्वजनिक परिवहन की ओर बढ़ेंगे। सरकार ने सर्दियों के दौरान लागू होने वाले ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (त्रक्रक्क) की पाबंदियों को अब पूरे सीजन के लिए लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत त्रक्रक्क के अलग-अलग चरणों में लगने वाले प्रतिबंध हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक स्वतः प्रभावी रहेंगे।

दिल्ली में सर्दियों के दौरान बढ़ने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लागू किए गए नए दिशा-निर्देशों को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि इन नियमों में पुराने सभी आदेशों को एकीकृत कर एक स्पष्ट, सरल और सख्त व्यवस्था तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नई व्यवस्था से सरकारी विभागों, संस्थानों और आम लोगों के लिए नियमों का पालन करना आसान होगा। उन्होंने कहा कि अधिसूचना तैयार करते समय पिछले वर्षों के प्रदूषण स्तर, अनुभवों और वायु गुणवत्ता से जुड़े आंकड़ों का विस्तृत अध्ययन किया गया है। उन्होंने कहा कि नए दिशा-निर्देशों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (ष्ट्रक्तरू) की ओर से जारी संशोधित ग्रैप और सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के निर्देशों को भी शामिल किया गया है। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में हर साल नवंबर से फरवरी के बीच प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। इसी चुनौती को देखते हुए सरकार ने ऐसी स्थायी व्यवस्था लागू की है, जिससे हर साल अलग-अलग आदेश जारी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा कपूर ने अपनी इस नई फिल्म के लिए अपनी फीस काफी बढ़ा दी है। उन्होंने ईथा के लिए करीब 15 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजन का मानना है कि विठाबाई की यह बायोपिक श्रद्धा के करियर को एक नया मोड़ दे सकती है, इसलिए उन्हें दी गई यह रकम बिल्कुल सही है। आपको बता दें कि इससे पहले श्रद्धा को फिल्म स्त्री 2 के लिए 5 करोड़ और तू झूठी मैं मक्कार के लिए 7 करोड़ रुपये मिले

आईने के सामने खुद को देख रो पड़ती थीं अविका गौर, 13 किलो वजन घटाकर किया असली ट्रांसफॉर्मेशन

अभिनेत्री अविका गौर ने टीवी स्क्रीन पर मासूम आनंदी बनकर घर-घर में पहचान बनाई, लेकिन एक समय उन्हें अपनी जिंदगी में खुद से लड़ाई लड़नी पड़ी थी। वह आईने में खुद को देखकर रो पड़ती थीं। मुंबई में जन्मीं अविका गौर ने बहुत छोटी उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया। 2007 में उन्होंने शश्श...कोई है से छोटे रोल के जरिए टीवी डेब्यू किया, लेकिन असली पहचान उन्हें 2008 में आए शो बालिका वधू से मिली। इस शो में उन्होंने छोटी आनंदी का किरदार निभाया, जो एक बाल विवाह की कहानी पर आधारित था। उनके मासूम अभिनय ने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और वह बहुत जल्दी घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद अविका ने ससुराल सिमर का में रोली का किरदार निभाया, जिसमें उन्होंने एक शादीशुदा लड़की की भूमिका निभाई। यह रोल उन्होंने सिर्फ 14 साल की उम्र में किया था। इस शो ने भी उन्हें काफी लोकप्रियता दिलाई। इसमें उनकी और अभिनेता मनीष रायसिंघन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

टेलीविजन की सफलता के बाद अविका ने फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने 2009 में मॉर्निंग वॉक और पाठशाला जैसी फिल्मों में काम किया। इसके बाद 2013 में तेलुगु फिल्म उय्याला जम्पला से उन्होंने लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू किया, जिसके लिए उन्हें एसआईआईएमए अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू मिला। यह उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई।

एक समय ऐसा भी आया जब अविका अपने शरीर और आत्मविश्वास को लेकर संघर्ष कर रही थीं। उन्होंने खुद बताया था कि एक समय वह आईने में खुद को देखकर टूट गई थीं और रो पड़ी थीं। उन्हें अपना बढ़ा हुआ वजन और बदलता लुक स्वीकार करना मुश्किल लग रहा था। इस मानसिक संघर्ष ने उनकी सोच को बदल दिया।

बटवारा 1947 टीजर रिलीज, नफरत के दौर में उम्मीद की आवाज बना एक नायक

बंटवारा 1947 इस साल की सबसे बेसब्री से इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है. अपने शानदार मोशन पोस्टर और किरदारों के दमदार पोस्टर्स के रिलीज होने के बाद से ही, इस फिल्म ने हर तरफ लोगों का ध्यान खींचा है. यह एक ऐसी कहानी के लिए उत्सुकता बढ़ा रही है जो हिम्मत, बलिदान और कभी न टूटने वाले इंसानी जज्बे से जुड़ी है. अब, इसके दमदार टीज़र के रिलीज होने के साथ ही, फिल्म को लेकर बना हुआ एक्साइटमेंट एक नए मुकाम पर पहुंच गया है. बंटवारा 1947 का यह दिलचस्प और इंटेंस टीजर दर्शकों को इतिहास के सबसे बड़े मोमेंट्स में से एक में ले जाता है, भारत की आजादी और वो दर्दनाक बंटवारा जिसने एक देश को बांट दिया

ऑटिज्म बीमारी नहीं, समझ और अपनापन चाहिए, ईशा सिंह ने समाज की सोच पर उठाए सवाल

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो जूही मुई को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की जूही की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। ईशा सिंह ने कहा, आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें। ईशा सिंह ने कहा, ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह

सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है। अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए,

कैरी ऑन जट्टा 4 ने मडे टेस्ट किया पास, कॉकटेल 2 का दम बरकरार, मां इंति बंगारम और मैं वापस आऊंगा ने भी बनाए रखा दबदबा

पंजाबी सिनेमा की लोकप्रिय फिल्म श्रृंखला कैरी ऑन जट्टा की चौथी कड़ी कैरी ऑन जट्टा 4 बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल, सरगुन मेहता और बिन्नू ढिल्लों अभिनीत इस फिल्म ने सप्ताह के पहले कार्यदिवस यानी सोमवार की परीक्षा भी सफलतापूर्वक पार कर ली है। अन्य बड़ी फिल्मों से मुकाबले के बावजूद दर्शकों का अच्छा समर्थन मिलने से फिल्म की कमाई लगातार बढ़ रही है। रिलीज के शुरुआती तीन दिनों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद सोमवार को फिल्म की कमाई में सामान्य गिरावट दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद फिल्म ने संतोषजनक कारोबार किया। ट्रेड रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को करीब 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही चार दिनों में फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस संग्रह 9.20 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना अभिनीत कॉकटेल 2 दूसरे सप्ताहांत में भी शानदार प्रदर्शन करने में सफल रही। फिल्म ने दूसरे शनिवार को 4.25 करोड़ रुपये और रविवार को 4.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सोमवार को कमाई में सामान्य गिरावट के बावजूद फिल्म ने 1.75 करोड़ रुपये का संग्रह किया। इसके साथ ही रिलीज के 11 दिनों में फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 84.89 करोड़ रुपये पहुंच गया है। फिल्म तेजी से 100 करोड़ रुपये के क्लब की ओर बढ़ रही है। सामंथा रुथ प्रभु अभिनीत मां इंति बंगारम भी दर्शकों की पसंद बनी हुई है। फिल्म ने पहले सप्ताह में 33.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इसके बाद दूसरे सप्ताहांत में भी इसकी कमाई मजबूत रही। दूसरे सोमवार को फिल्म ने 1.60 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिससे इसका 11 दिनों का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 49.85 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म जल्द ही 50 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार करने की ओर बढ़ रही है।

फ्लिपकार्ट गॉट सेल में एआई+ स्मार्टफोन के खास ऑफर्स, स्मार्टफोन्स से लेकर एआईओटी डिवाइसेस तक मिलेगी बचत

राष्ट्रीय- एआई+ स्मार्टफोन ने फ्लिपकार्ट की बहुप्रतीक्षित गॉट सेल के लिए अपने स्मार्टफोन्स और एआईओटी प्रोडक्ट्स पर आकर्षक ऑफर्स का ऐलान किया है। फ्लिपकार्ट प्लस ग्राहकों को 3 जुलाई से सेल का अर्ली एक्सेस मिलेगा, जबकि 4 जुलाई से यह सेल सभी ग्राहकों के लिए शुरू होगी। इस बार की गॉट सेल में सबसे बड़ा आकर्षण एआई+ पल्स 2 है, जिसे अब तक की सबसे कम 8,999 रुपए की विशेष कीमत पर खरीदा जा सकेगा। इसके अलावा नोवा सीरीज़, वेयरेबल्स, ऑडियो प्रोडक्ट्स और टैबलेट्स पर भी कई शानदार ऑफर्स मिलेंगे। एआई+ पल्स 2 उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए एक भरोसेमंद स्मार्टफोन चाहते हैं। इसमें 6.745 इंच का एचडी+ डिस्प्ले, 120 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट, यूनिसॉक टी7250 ऑक्टा-कोर प्रोसेसर, 50 मेगापिक्सल एआई रियर कैमरा, 8 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा, 18 वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ 6000 एमएएच की बैटरी

एआई+ पल्स 2 अब तक की सबसे कम कीमत 8,999 रुपए में, नोवावॉच रोटेटकैम 4जी पहली बार होगी बिक्री के लिए उपलब्ध

और एंड्रॉइड 16 आधारित एनएक्सटीक्वांटम ऑपरेटिंग सिस्टम दिया गया है। यह स्मार्टफोन 6 जीबी तक रैम और 128 जीबी स्टोरेज के साथ उपलब्ध है, जिसे 1 टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें आईपी64 रेटिंग के साथ डस्ट और वॉटर रेजिस्टेंस तथा साइड माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर भी मिलता है। इस पेशकश के बारे में बात करते हुए, एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ और एनएक्सटीक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीस के संस्थापक माधव शेठ ने कहा, हमारे प्रोडक्ट्स की रेंज लगातार बढ़ रही है और हमारा प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा ग्राहक स्मार्टफोन्स और कनेक्टेड डिवाइसेस के जरिए एआई+ इकोसिस्टम का अनुभव कर सकें। फ्लिपकार्ट गॉट सेल के जरिए हम एआई+ पल्स 2 पर अब तक का सबसे बड़ा ऑफर दे रहे हैं। इसके साथ ही नोवा सीरीज़ और हमारे एआईओटी प्रोडक्ट्स पर भी आकर्षक कीमतें उपलब्ध होंगी। हमारा लक्ष्य हर बजट में ऐसे प्रोडक्ट्स देना है, जो भरोसेमंद परफॉर्मेंस, क्लीन सॉफ्टवेयर और ग्राहकों के लिए बेहतर वैल्यू प्रदान करें। एआई+ पल्स 2 के अलावा ग्राहक नोवा सीरीज़ के तहत नोवा 2, नोवा 2 नियो, नोवा 2 प्रो और नोवा 2 अल्ट्रा पर भी आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकेंगे। पहली बार 5जी स्मार्टफोन खरीदने वाले ग्राहकों से लेकर बेहतर परफॉर्मेंस चाहने वाले यूज़र्स तक, सभी को ध्यान में रखकर तैयार की गई यह सीरीज़ एंड्रॉइड 16 आधारित एनएक्सटीक्वांटम ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ आती है। इसमें भरोसेमंद हार्डवेयर, क्लीन सॉफ्टवेयर, बेहतर परफॉर्मेंस और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी का अनुभव मिलता है।

फ्लिपकार्ट गॉट सेल के दौरान एआई+ के एआईओटी प्रोडक्ट्स पर भी शानदार ऑफर्स मिलेंगे।

क्या आप सुबह अलार्म बजने से पहले उठ जाते हैं? जानिए इसके कारण

कई लोग सुबह अलार्म बजने से पहले उठ जाते हैं, जबकि कुछ लोग अलार्म बजने के बाद भी उठने के लिए जूझते रहते हैं। अगर आप सुबह जल्दी उठने वालों में से एक हैं तो इसका कारण आपका शरीर और मन हो सकता है। यह एक अच्छी आदत है और इससे आपका दिन बेहतर ढंग से शुरू हो सकता है। आइए जानते हैं कि सुबह अलार्म से पहले उठने के पीछे का कारण क्या है।

शरीर की आंतरिक घड़ी

आपके शरीर की अपनी एक आंतरिक घड़ी होती है, जिसे जैविक घड़ी कहा जाता है। यह घड़ी आपको बताती है कि कब सोना है और कब उठना है। अगर आप हर दिन एक ही समय पर सोते और उठते हैं तो आपका शरीर इस समय को पहचान लेता है और खुद-ब-खुद उसी समय पर जागने की आदत डाल लेता है। इससे आप बिना अलार्म के भी आसानी से उठ जाते हैं।

सोने की आदत बनाना

अगर आप नियमित रूप से एक ही समय पर सोते हैं तो आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। इससे नींद गहरी

होती है और आप सुबह तरोताजा महसूस करते हैं। इसके अलावा एक निश्चित समय पर सोने से आपका शरीर आराम महसूस करता है और सुबह उठने में कोई दिक्कत नहीं होती। यह आदत आपके शरीर को जैविक घड़ी के अनुसार काम करने में मदद करती है, जिससे आप बिना अलार्म के भी जल्दी उठ जाते हैं।

प्राकृतिक रोशनी का महत्व

सुबह की पहली किरण आपके शरीर को बताती है कि दिन शुरू हो गया है। अगर आप अपने कमरे में सुबह की रोशनी आने दें तो आपका शरीर खुद-ब-खुद जाग जाएगा। इसके लिए आप पर्दे हटाकर खिड़की खोल सकते हैं या फिर प्राकृतिक रोशनी आने वाली जगह पर सोने की कोशिश कर सकते हैं। इससे आपका शरीर जैविक घड़ी के अनुसार काम करेगा और आप बिना अलार्म के भी जल्दी उठ जाएंगे।

मानसिक तैयारी

अगर आप रात को सोने से पहले यह सोच लें कि सुबह उठकर क्या करना है तो आपका मन पहले से ही तैयार हो जाता है। इससे आप सुबह उठते ही अपने कामों में लग जाते हैं और आलस्य नहीं आता। इसके अलावा आप अपने दिमाग को शांत रखने के लिए ध्यान या सांस लेने के अभ्यास भी कर सकते हैं, जिससे आप तरोताजा महसूस करेंगे और उठते ही सक्रिय हो जाएंगे।

स्वस्थ जीवनशैली

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से भी सुबह जल्दी उठने में मदद मिलती है। इसके लिए आपको संतुलित भोजन, नियमित कसरत और पर्याप्त पानी पीना चाहिए। इसके अलावा तनाव मुक्त रहने के लिए योग या ध्यान कर सकते हैं। इन सभी तरीकों से आप आसानी से अपनी सुबह की दिनचर्या को बेहतर बना सकते हैं और बिना अलार्म के भी जल्दी उठ सकते हैं। रात को जल्दी सोने से भी सुबह जल्दी उठना आसान हो जाता है।

हरे या काले, कौन से अंगूर हैं ज्यादा पौष्टिक? आयुर्वेद से जानें दोनों के औषधीय लाभ

अंगूर बहुतायत मात्रा में आसानी से मिल जाते हैं। अंगूर केवल स्वादिष्ट फल नहीं है, बल्कि कई औषधीय गुणों से भरपूर हैं। अंगूर को आयुर्वेद में द्राक्षा कहा जाता है, जो शरीर को शीतलता और पोषण दोनों देता है। हरा अंगूर शरीर में जल-संतुलन और पित्त शमन में सहायक माना जाता है, जबकि काला अंगूर रक्त को पोषण देने और थकान से उबरने में उपयोगी बताया गया है। वहीं विज्ञान ने भी अंगूर को विटामिन से भरपूर पाया है, जो मस्तिष्क से लेकर हृदय तक के लिए लाभकारी है। यह कोशिकाओं की रक्षा करता है और शरीर में ऊर्जा का प्रसार भी तेजी से करता है।

पहले विस्तार में बात करते हैं हरे अंगूर की। हरे अंगूर स्वाद में मधुर और पाचन में हल्के होते हैं। हरे अंगूर में पित्त को शांत करने की क्षमता होती है। यह शरीर में गर्मियों में होने वाले निर्जलीकरण से बचाते हैं और पेट में होने वाली जलन को भी कम करते हैं।

अगर गर्मी में लू लगने का खतरा लगता है, तब भी अंगूर का सेवन गर्म हवा से सुरक्षा प्रदान करता है। वहीं काले अंगूर हरे अंगूर की तुलना में ज्यादा पौष्टिक और औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। काले अंगूर का सेवन शरीर में रक्त की मात्रा को बढ़ाता है और बल भी प्रदान करता है। काले अंगूर स्किन को साफ करने और बालों को चमकदार बनाने में भी सहायक हैं। काले अंगूर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं तो शरीर की आंतरिक कमजोरी और थकावट को भी दूर करते हैं और विटामिन सी और ई मिलकर बालों और स्किन को निखारने का काम करते हैं।

अब सवाल है कि अंगूर खाने का सही समय क्या है। वैसे आमतौर पर फल को कभी भी खा लिया जाता है, जो गलत है। अंगूर का सेवन सुबह और दोपहर में कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रखने वाली बात यह है कि अंगूर का सेवन खाली पेट नहीं करना चाहिए। विटामिन सी होने की वजह से ये पेट में जलन पैदा कर सकते हैं।

राघव जुयाल हीरो बनकर करेंगे धमाका, भाई तेरा स्टार है का मोशन पोस्टर हुआ जारी

एक्टर राघव जुयाल ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से बॉलीवुड में अलग पहचान बना ली है। एक्टर राघव जुयाल ने एक से एक फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेर दिया है। हाल ही में वो अर्यान खान की सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में भी नजर आए थे। इस सीरीज को देखकर लोग गदगद हो गए। इस बीच राघव जुयाल की अपकमिंग फिल्म को लेकर अपडेट सामने आया है। राघव जुयाल की नई फिल्म भाई तेरा स्टार है का पोस्टर सामने आ गया है, जो कि इंटरनेट पर हर तरफ वायरल हो रहा है।

शब्द सामर्थ्य -086

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. माँ के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

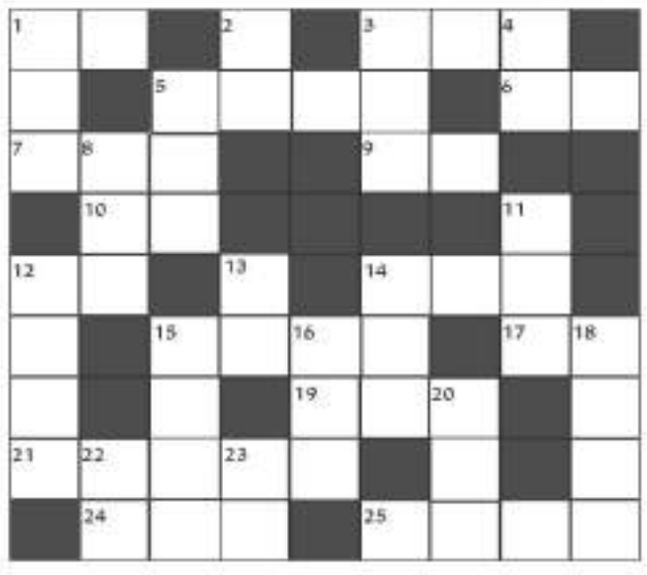

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 085 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना बेलखेड़ा में ग्राम बरमान कटाव पुलिया में बोलेरो वाहन चालक के साथ बह जाने की सूचना पर पहुँची पुलिस द्वारा राहगीरों की सहायता से बोलेरो से एक शव बाहर निकलवाया गया। मौके पर उपस्थित श्रीकांत दुबे निवासी सदर केण्ट ने बताया कि वह बेलखेड़ा कलारी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है दिंनाक 2-7-26 की सुबह लगभग 8 बजे चालक रवि पिल्ले उम्र 52 वर्ष निवासी काफी हाउस के पीछे केण्ट बुलेरो एमपी 20 जेड जी 0435 से कलारी का स्टाफसंदीप बंजारा, चंदन लोधी, मयंक, बंडू के साथ बरमान क्षेत्र मे दबिश देकर वापस

जेडीए अध्यक्ष ने विभिन्न शाखाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा-समय - सीमा में कार्य पूर्ण करने के अधिकारियो को दिए कड़े निर्देश

योजनाओं के विकास कार्यों के साथ आमजनों की सुविधाओं में ना हो कोताही-संदीप जैन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर विकास प्राधिकरण शहर के विकास और विभिन्न निर्माण संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों को गति दी जा रही है, इसी क्रम मे जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री संदीप जैन द्वारा प्राधिकरण की प्रमुख शाखाओं —संपत्ति शाखा, भू-अर्जन शाखा एवं तकनीकी शाखा—के कार्यों की समीक्षा बैठक ली गई।

बैठक के दौरान अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने प्रत्येक शाखा की वर्तमान प्रगति रिपोर्ट का बारिकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शहर के विकास और आम जनता से जुड़ी सभी योजनाओं को पूरी गंभीरता के साथ समय - सीमा में पूर्ण किया जाए। आम जनता से जुड़े संपत्ति हस्तांतरण, भू-आवंटन और तकनीकी स्वीकृति जैसे मामलों में किसी भी प्रकार का विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी लंबित कार्यों का त्वरित निराकरण कर हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ सुनिश्चित किया जाए।

समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु मांगे सुझाव

समीक्षा के दौरान अध्यक्ष श्री जैन ने अधिकारियों एवं कर्मचारी से कार्यों के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों और व्यवधानों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों या प्रशासनिक प्रक्रियाओं में जो भी समस्याएं या बाधाएं आ रही हैं, उनके त्वरित और स्थायी समाधान के लिए नीतियों में आवश्यक सुधार कर काम को और अधिक गति दी जा सके। प्राधिकरण की तकनीकी शाखा के अंतर्गत चल रहे एवं आगामी निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में श्री जैन ने ने शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और विकास कार्यों को नई गति देने के लिए अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए।

निविदाएं तत्काल आमंत्रित करने के निर्देश-

समीक्षा के दौरान अध्यक्ष श्री जैन ने तकनीकी शाखा के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान में शहर के विकास से संबंधित जितनी भी नई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, उनकी निविदाएं बिना किसी विलंब के त्वरित रूप से आमंत्रित की जाएं। निविदा प्रक्रियाओं को पारदर्शी और तीव्र बनाकर निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द धरातल पर शुरू कराया जाए।

समय-सीमा में पूर्ण हों निर्माण कार्य-

अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने प्राधिकरण की चल रहे प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए स्पष्ट किया कि सभी तकनीकी और निर्माण कार्यों को एक निश्चित समय - सीमा के भीतर ही पूर्ण किया जाए। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या लेटलतीफी को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समय पर काम पूरा होने से ही प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सीधा लाभ आम जनता तक पहुंचेगा।

शहर का होगा चहुंमुखी विकास-

जेडीए अध्यक्ष ने कहा कि जबलपुर विकास प्राधिकरण की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य शहर का चहुंमुखी (सर्वांगीण) विकास करना है। जब प्राधिकरण के तकनीकी कार्य और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे होंगे, तभी सामान्य जन इन योजनाओं का वास्तविक और अधिकतम लाभ उठा सकेंगे। जेडीए शहर को आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यपालन यंत्री प्रशासकीय अधिकारी संपत्ति अधिकारी, भू-अर्जन अधिकारी और कनीकी शाखा के सभी सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित रहे, जिन्हें अध्यक्ष महोदय ने फील्ड पर जाकर कार्यों की गुणवत्ता और गति की निरंतर निगरानी करने निर्देश दिये।

जबलपुर को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित और सशक्त बनाने का साझा संकल्प, ''सेफ सिटी'' परियोजना की प्रथम वार्षिक समीक्षा बैठक संपन्न

महापौर अन्नू ने की सहयोग की बड़ी घोषणा, 100 महिलाओं को मिलेंगे ई-रिक्शा/ऑटो

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।। नगर निगम एवं यूएन वूमेन के संयुक्त तत्वावधान में संचालित ''सेफ सिटीज एंड सेफ पब्लिक स्पेसेज फॉर वूमेन'' परियोजना की प्रथम वार्षिक समीक्षा बैठक महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

यूएन वूमेन और नगर निगम जबलपुर के महिला सुरक्षा के एम.ओ.यू. के हुए एक वर्ष पूर्ण

इस कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विकास साझेदारों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों सहित शहर के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परियोजना के सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने पर बीते वर्ष की उपलब्धियों और सीखों को साझा करना तथा महिलाओं व बालिकाओं के लिए अधिक सुरक्षित, समावेशी एवं संवेदनशील शहर के निर्माण हेतु आगामी कार्ययोजना तैयार करना था। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, रिंकूज विज अध्यक्ष, नगर निगम, मेजर जनरल संजय गौतम चीफ ऑफ स्टाफ, मध्य भारत एरिया, प्रमोद वर्मा आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, प्रो. राजेश वर्मा कुलपति, रादुविवि, राघवेंद्र सिंह कलेक्टर, संपत उपाध्याय पुलिस अधीक्षक, राम प्रकाश अहिरवार आयुक्त, नगर निगम, सहित सेना, रेलवे, यूएन वूमेन की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव सुश्री शोको इशिकावा एवं डिप्टी कंट्री रिप्रेजेंटेटिव सुश्री कांता सिंह और जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति यूएन वूमेन की वैश्विक प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण वॉइसेज फ्रॉम द सिटी सत्र रहा। इस सत्र में शहर की जांबाज महिला ऑटो चालकों और महिला स्ट्रीट वेंडरों ने मंच से अपने अनुभव, चुनौतियाँ और भविष्य की आकांक्षाएँ साझा कीं। उपस्थित शासकीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने इन महिलाओं की सराहना की और उन्हें हर संभव संसाधन व सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। अपने संबोधन में महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने नगर निगम और यूएन वूमेन के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जबलपुर को महिलाओं के लिए देश का सबसे सुरक्षित शहर बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई गति देने के लिए महापौर ने एक बड़ी और सकारात्मक सहयोग की घोषणा करते हुए संकल्प लिया कि शहर की 100 महिलाओं को ऑटो-रिक्शा अथवा ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जाएंगे। समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस विभाग, जिला प्रशासन, पश्चिम मध्य रेलवे, धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी तथा भारतीय सेना के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। सभी विभागों ने बीते एक वर्ष में किए गए समन्वित प्रयासों की जानकारी दी और भविष्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक एकीकृत दृष्टिकोण से काम करने की बात कही।

साझा संकल्प के साथ समापन

कार्यक्रम का सफल संचालन यूएन वूमेन के रुद्राक्ष पाठक एवं नगर निगम के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। बैठक का समापन सभी हितधारकों द्वारा जबलपुर को महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित, समावेशी और समान अवसरों वाला शहर बनाने के एक दृढ़ और साझा संकल्प के साथ हुआ। यह पहल निश्चित रूप से संस्कारधानी जबलपुर को महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक रोल मॉडल के रूप में स्थापित करेगी।

राष्ट्रपति से सम्मानित काजल मानेक का मिलन ने किया अभिनंदन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दिनांक 21 जून 2026 को भारत की राष्ट्रपति छ्रह्लश्रह्वश्चड्डुस्त्रद्ब स्व्रह्लद्बह्व के कर-कमलों से एम.ए. (हिन्दी) में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तीन स्वर्ण पदकों से सम्मानित हुईं सुश्री काजल मानेक का सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था %मिलन% द्वारा अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया

समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती कीर्ति अभिलाष पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि माता-पिता के स्वर्गवास के पश्चात भी काजल मानेक ने अदम्य आत्मविश्वास, कठोर परिश्रम और लगन के बल पर यह अभूतपूर्व उपलब्धि प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जबलपुर नाम रोशन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रत्ना ओझा %रत्न% ने की विशिष्ट अतिथि रश्मि टंडन रही। उन्होंने काजल मानेक को शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त की वरिष्ठ हास्य कलाकार के.के नायकर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतिभा, परिश्रम और सकारात्मक सोच के माध्यम से शहर गौरांवित है। हास्य कलाकार बलराम वर्मा ने %रुक जाना नहीं तू कहीं हार के% गीत से प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन महिला प्रभाग की कार्यक्रम संयोजक डॉ. शोभा सिंह एवं डॉक्टर गीता %गीत% ने किया।

इस अवसर पर डॉ. मुकुल तिवारी, अनामिका तिवारी साधना उपाध्याय जगदीश पटेल प्रेमलता %नीलम% एडवोकेट ईश्वर सिंह ठाकुर, डॉ. हरिशंकर दुबे अनुराधा %अनु% रीता दास, चंदा देवी स्वर्णकार,%राकेशखम्परिया, दिलीप नीखरा, अज्ञेय शशि, अदिति सिंह ठाकुर, सन्नी शर्मा उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन मृगेंद्र नारायण सिंह ने किया।

जिला अधिवक्ता संघ, जबलपुर के वर्ष 2026-28 के निर्वाचन कार्यक्रम की आज औपचारिक घोषणा की गई और संघ की मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री जीएस ठाकुर जी ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि इस निर्वाचन में कुल 3313 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय सचिव तथा 12 कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन करेंगे।

श्री जीएस ठाकुर जी ने बताया कि इस वर्ष के निर्वाचन में दो उपाध्यक्ष पदों में से एक पद महिला अधिवक्ता के लिए आरक्षित रहेगा। इसी प्रकार कोषाध्यक्ष का पद भी महिला अधिवक्ता के लिए आरक्षित किया गया है। कार्यकारिणी के 12 सदस्यों में 3 पद महिला अधिवक्ताओं के लिए आरक्षित रहेंगे।

सभी मतदाताओं को निर्धारित पदों की संख्या के अनुसार अनिवार्य रूप से मतदान करना होगा। अर्थात उपाध्यक्ष के दोनों पदों के लिए तथा कार्यकारिणी के सभी 12 पदों (9 सामान्य एवं 3 महिला आरक्षित) पर मतदान करना आवश्यक होगा। यदि कोई मतदाता निर्धारित संख्या के अनुसार मतदान नहीं करता है, तो उसका संबंधित मतपत्र अवैध माना जाएगा तथा मतगणना में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

निर्वाचन कार्यक्रम निम्नानुसार है-

- 03.07.2026 - मतदाता सूची का प्रकाशन एवं निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा।

- 06.07.2026 से 08.07.2026 - नामांकन पत्रों का वितरण एवं नामांकन पत्र जमा करना।

समय- प्रातः 10-30 बजे से दोपहर 2-00 बजे तक तथा अपराह्न 3-00 बजे से शाम 4-00 बजे तक।

- 09.07.2026 - नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन।

- 10.07.2026 से 11.07.2026 - नाम वापसी। - 13.07.2026 - अंतिम प्रत्याशी सूची का प्रकाशन।

- 20.07.2026 - मतदान।

समय- प्रातः 10-30 बजे से शाम 5-00 बजे तक।

- 21.07.2026 - मतगणना प्रारंभ।

समय- प्रातः 10-30 बजे से।

श्री ठाकुर जी ने जिला अधिवक्ता संघ, जबलपुर के सभी सम्मानित मतदाताओं से आग्रह किया कि वे निर्वाचन वर्ष 2026-28 में अपने बहुमूल्य मताधिकार का प्रयोग कर लोकतांत्रिक परंपरा को सशक्त बनाएं तथा अधिवक्ता संघ के सफल एवं निष्पक्ष निर्वाचन में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर एडवोकेट सुभाष शुक्ला, संजय सोनी, तरुण रोहितास, रजनीश यादव,जय सचदेवा, श्री सचिन अग्रवाल ,आशीष श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

अब रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन एलएचबी रेक से होगी संचालित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय रेलवे यात्रियों को बेहतर सुरक्षा, अधिक आरामदायक यात्रा एवं उन्नत परिचालन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में यात्री सुविधाओं के विस्तार हेतु अधिक से अधिक रेलगाड़ियों में आधुनिक लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) कोच लगाए जा रहे हैं।

पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट गाड़ी संख्या 01665/01666 रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के रेक को रेल प्रशासन द्वारा परंपरागत आईसीएफ कोचों के स्थान पर चरणबद्ध रूप से अत्याधुनिक एलएचबी कोच लगाने का निर्णय लिया है। एलएचबी रैक से संचालित ट्रेन की जानकारी इस प्रकार है-

गाड़ी संख्या 01665 रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल 09 जुलाई से एलएचबी रेक एवं 23 जुलाई से 2026 से संशोधित एलएचबी रेक संरचना तथा गाड़ी संख्या 01666 अगरतला-रानी कमलापति स्पेशल 12 जुलाई से एलएचबी रेक एवं 26 जुलाई से 2026 से संशोधित एलएचबी रेक संरचना के साथ संचालित होगी।

वर्तमान कोच संरचना- 04 सामान्य कोच, 05 एसी-3 टियर कोच, 01 एसी-2 टियर कोच, 11 स्लीपर कोच, 02 गार्ड सह लगेज व ब्रेक वैन सहित कुल 23 कोच हैं।

एलएचबी रेक संरचना (09 एवं 12 जुलाई 2026 से)- 04 सामान्य कोच, 05 एसी-3 टियर कोच, 01 एसी-2 टियर कोच, 10 स्लीपर कोच एवं 02 जनरेटरकार सहित कुल 22 कोच होंगें।

संशोधित एलएचबी रेक संरचना (23 एवं 26 जुलाई 2026 से)- 04 सामान्य कोच, 05 एसी-3 टियर कोच, 01 एसी-3 टियर इकोनॉमी कोच, 02 एसी-2 टियर कोच, 08 स्लीपर कोच एवं 02 जनरेटरकार सहित कुल 22 कोच होंगें।

उल्लेखनीय है कि एलएचबी कोच पारंपरिक आईसीएफ कोचों की तुलना में अधिक सुरक्षित, आरामदायक एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त होते हैं। उच्च गति पर संचालन क्षमता, हल्के वजन एवं उन्नत डिज़ाइन के कारण ये कोच यात्रियों को अधिक सहज, सुरक्षित और सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करते हैं।

पश्चिम मध्य रेल से संचालित इस स्पेशल ट्रेन में एलएचबी कोच लगाए जाने से मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित पूर्वोत्तर भारत की यात्रा करने वाले यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा।

बंधक सम्पति कब्जा मुक्त की गयी

जबलपुर।तीन पत्ती स्थित प्लाट नं. 785 मढ़ाताल, तीन पत्ती स्थित भवन की माननीय कलेक्टर महोदय जबलपुर के आदेश के परिपालन में तहसीलदार अधारताल व उनकी टीम ने भवन पर कब्जा किये लोगों से रिक्त करा कर सम्पति का कब्जा बैंक आफ महाराष्ट्र जबलपुर (एआरबी) को सौंप दिया। कब्जा कार्यवाही के दौरान बैंक के क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री ओंकार कुमार एवं बैंक के कर्मचारी / अधिकारी उपस्थित थे। कब्जा कार्यवाही में गुडलक रिकवरी एजेंसी ने राजस्व टीम के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

अधिक राशि पर स्टाम्प बेचने एवं कम मुद्राँक शुल्क पर दस्तावेज तैयार करने वाले 19 वेंडरों और सेवा प्रदाताओं को नोटिस.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अधिक राशि पर स्टाम्प बेचे जाने और गलत मद का चयन कर कम मुद्रांक शुल्क पर दस्तावेज तैयार कर शासकीय राजस्व को हानि पहुंचाने वाले जिले के 19 स्टाम्प वेंडरों एवं सेवा प्रदाताओं को जिले के कलेक्टर ऑफ स्टामप्स द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं।

जिले में कार्यरत कई स्टाम्प वेंडरों एवं सेवा प्रदाताओं के विरुद्ध अधिक राशि में स्टाम्प बेचे जाने तथा गलत मद का चयन कर कम मुद्राँक शुल्क पर दस्तावेज तैयार करने की आम नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर वरिष्ठ जिला पंजीयक द्वारा निरीक्षण टीमों का गठन किया गया था।

इन टीमों ने सिहोरा, गोसलपुर और कृषि उपज मंडी, विजय नगर जबलपुर स्थित हाट बाजार में औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि स्टाम्प वेंडर न केवल स्टाम्प निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बेच रहे थे, बल्कि विभिन्न दस्तावेजों के लिए भी नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। जांच में पाया गया कि शपथ-पत्र, जिसके लिए विधि अनुसार 200 रुपये का स्टाम्प अनिवार्य है, उसे कुछ वेंडरों द्वारा मात्र 50 रूपये या 100 रुपये के स्टाम्प पर ही बनाया जा रहा था। इसी प्रकार, अचल संपत्ति के अनुबंध-पत्र, किरायानामा, सहमति-पत्र और कब्जा सहित अनुबंध जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को भी गलत हेड का चयन कर केवल 1,000 रुपये या उससे कम के स्टाम्प पर तैयार किया जा रहा था। निरीक्षण टीमों ने संबंधित वेंडरों के विक्रय रजिस्टरों की जांच की और उनकी प्रतियां प्राप्त कर साक्ष्य एकत्रित किए।

इस अनियमितता के विरुद्ध भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 के तहत निर्मित मध्यप्रदेश स्टाम्प नियम 1942 के नियम 27 के अंतर्गत संबंधित स्टाम्प वेंडरों और सेवा प्रदाताओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। कलेक्टर ऑफ स्टाम्प्स ने स्पष्ट किया है कि जवाब नियत अवधि में प्राप्त होने पर परीक्षण उपरांत इन वेंडरों की अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) को निलंबित या रद्द करने की सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, जिले के समस्त स्टाम्प वेंडरों, सेवा प्रदाताओं, दस्तावेज लेखकों एवं अन्य संबंधितों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे भविष्य में शासन द्वारा निर्धारित शुल्क पर स्टाम्प विक्रय करें, ताकि शासकीय राजस्व की हानि को पूरी तरह रोका जा सके।

कलेक्टर ऑफ स्टाम्पस द्वारा जिन वेंडरों और सेवा प्रदाताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये है, उनमें जगदीश प्रसाद पाठक, ब्रिजेश कुमार उपाध्याय, सुनील खरे, संजय कुमार गुप्ता, गणेश प्रसाद एवं नीतू साहू सिहोरा, श्रीमती कविता तिवारी गोसलपुर, मनीष जैन, पूर्णेश जैन, ओ पी मिश्रा एवं उभी मिश्रा हाट बाजार विजय नगर जबलपुर, प्राची शर्मा रांझी, योगिता चावला सिविल लाईन, किरण प्यासी, शबा आफरीन आधारताल, सुशील पाण्डेय एवं विनय कुमार पाण्डेय पाटन, शिवांक तिवारी पोलीपाथर, एजाज अंसारी नई बस्ती गोहलपुर शामिल हैं।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर के पाटन से लगे ग्राम सेलवाड़ा तेंदूखेड़ा में रहने वाले साहब विश्वकर्मा के परिवार सहित घर से बाहर जाते ही चोर दरवाजा काटकर घर के अंदर घुस गए, जिन्होने आलमारी के लॉकर को तोड़कर सोने,चांदी के जेवर सहित नगदी रुपयों पर हाथ साफ कर दिया। वारदात उस वक्त हुई है जब साहब विश्वकर्मा दमोह में रिश्तेदार के घर आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गए थे। पुलिस के अनुसार ग्राम सेलवाड़ा में रहने वाले साहब विश्वकर्मा की रिश्तेदारी में शादी थी, जिसके चलते वे घर में ताला लगाक र परिवार सहित शादी में चले गए,

रिछाई के अनमोल नमकीन कारखाने की लिफ्ट गिरी, महिला श्रमिक की मौत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रिछाई औद्योगिक क्षेत्र में अनमोल नमकीन फैक्टरी की मालवाहक लिफ्ट अचानक गिर गई। लिफ्ट की चपेट में एक महिला श्रमिक आ गई। मौके पर महिला की मौत हो गई। हादसे के दौरान फैक्टरी में चंद श्रमिक ही थे। सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुंची थी। रिछाई के अनमोल नमकीन के कारखाने में शुक्रवार दोपहर 12 बजे उस अचानक भारी भरकम मालवाहक लिफ्ट अचानक नीचे आकर गिर गई, जब महिला श्रमिक मालती केवट लिफ्ट के किनारे नमकीन के पैकेट समेट रही थी। लिफ्ट लगने से महिला उसमें दब गई और छटपटाताते हुए उसने दम तोड़ दिया।

महिला को बचाने दौड़े साथी श्रमिक

प्रत्यक्षदर्शी राम यादव ने बताया कि लिफ्ट के गिरते ही उसकी चपेट में आई मालती को बचाने के लिए काम कर रहे अन्य श्रमिक दौड़े थे। श्रमिकों ने बमुश्किल लिफ्ट को उठाकर उसके नीचे दबी महिला को खींचकर बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

टूटी थी लोहे की रस्सी

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लिफ्ट खींचने वाली लोहे की रस्सी टूट जाना प्रथम दृष्टया कारण सामने आ रहा है। मौके पर श्रमिकों का कहना था कि रस्सी टूट रही थी, जिसके बारे में कारखाने के मालिकों को बताया गया था। उधर, मौके पर कुछ श्रमिक दावा कर रहे थे कि महिला झाड़ू लगा रही थी। लिफ्ट की ओर झाड़ू लगाने से उसे मना किया था।

कारखाने में नहीं था कोई जिम्मेदार

बताया गया है कि अनमोल नमकीन के कारखाने में निर्माण कार्य के दौरान कोई भी जिम्मेदार नहीं था। नमकीन निर्माण के दौरान केवल श्रमिक थे। इसके अलावा मुख्य निर्माण श्रमिक था। हादसा होने के एक धंटे तक कारखाने के जिम्मेदार नहीं पहुंचे थे।

सफाई के दौरान हुआ हादसा

जानकारी के अनुसारए जवाहर नगर ;अधारतालद्ध की रहने वाली मालती केवट ;42 वर्षद्ध अनमोल नमकीन फैक्ट्री में सफाई कर्मचारी के रूप में काम करती थीं। शुक्रवार सुबह जब वह लिफ्ट के समीप सफाई का कार्य कर रही थींए तभी अचानक ऊपर से भारी.भरकम लिफ्ट नीचे आ गिरी। मालती सीधे लिफ्ट की चपेट में आ गईं और गंभीर चोटें आने के कारण उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

परिजनों का फूटा गुस्साए सुरक्षा में लापरवाही के आरोप

हादसे की खबर मिलते ही मृतका के परिजन और भारी संख्या में स्थानीय लोग रिछाई स्थित फैक्ट्री पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी और लिफ्ट के रखरखाव में गंभीर लापरवाही बरती गईए जिसके कारण मालती की जान गई।रूहंगामे और आक्रोश को देखते हुए अधारताल थाना पुलिस तुरंत बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को समझा.बुझाकर शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव जांच शुरू

अधारताल थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा की गई सुरक्षा व्यवस्थाओंए लिफ्ट के मेंटेनेंस ;रखरखावद्ध के रिकॉर्ड और हादसे के तकनीकी कारणों की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच में प्रबंधन की किसी भी प्रकार की लापरवाही या सुरक्षा में चूक पाई जाती हैए तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफसख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

तुम्हारा पति बहुत पैसे कमाता है शराब के लिए 500 दो मना करने पर महिला पर चाकू से हमला लात.घूसों से पीटा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के रांझी थाना क्षेत्र के मड़ई इलाके में सब्जी लेने गई एक 25 वर्षीय महिला को तीन बदमाशों ने घेर लिया। बदमाशों ने महिला के पति की अच्छी कमाई का हवाला देकर शराब पीने के लिए ?500 की मांग की। जब महिला ने पैसे देने से इनकार कियाए तो आरोपियों ने गाली.गलौज करते हुए उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसारए कोलाना मोहल्ला ;मड़ईद्ध की रहने वाली श्रीमती वर्षा कोल ;25 वर्षद्ध गुरुवार ;2 जुलाईद्ध की रात सब्जी लेने के लिए मढ़ई ऑटो स्टैंड के पास गई थीं। इसी दौरान वहां इलाके के तीन बदमाशकृराज कोलए अनुज कोल और अभिषेक कोल आ धमके।

बदमाशों ने वर्षा को रोक लिया और कहाए ष्तुम्हारा पति कंपनी में काम करता है और बहुत पैसे कमाता है।ष् यह कहते हुए तीनों ने महिला से शराब पीने के लिए 500 की रंगदारी मांगी।

जब वर्षा ने अपनी मेहनत की कमाई बदमाशों को देने से साफ मना कर दियाए तो तीनों आरोपी आपा खो बैठे और सरेराह अभद्र गाली.गलौज करने लगे। महिला ने जब गालियां देने का विरोध कियाए तो आरोपी राज कोल ने पास रखा चाकू निकाला और वर्षा पर हमला कर दिया। चाकू सीधे महिला के बाएं पैर की जांघ में जा लगाए जिससे वह लहूलुहान हो गईं।

इसी बीच बाकी दो आरोपियोंकृअनुज कोल और अभिषेक कोल ने महिला को घेरकर हाथ.मुक्कों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों बदमाश महिला को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पीड़ित महिला किसी तरह रांझी थाने पहुंची और आपबीती सुनाई। पुलिस ने वर्षा कोल की रिपोर्ट पर तीनों आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

शहर में सिया बनी साक्षी , पति पर किया चाकू से हमला

जबलपुर। पति-पत्नी विवाद तो होते रहते हैं लेकिन ये विवाद जानलेवा होते जा रहे हैं। हिमाचल, पूणे में ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जहां पत्नी ने अपने पति को मौत के घाट उतार दिया है। हालात भले ही कुछ भी रहे हों लेकिन महिलाओं की ओर से जानलेवा हमला किया गया है। ऐसा ही एक मामला गोरखपुर क्षेत्र में सामने आया है, जहां लेपटॉप नहीं दिलाने पर पति पर चाकू से हमला किया गया है। गोरखपुर पुलिस ने बताया कि सेठीनगर निवासी अभिषेक बेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह पान की दुकान चलाता है। उसने लगभग 5 माह पहले साक्षी चौरसिया से प्रेम विवाह किया है। पत्नी साक्षी पढ़ाई करने के लिये लेपटॉप खरीदने के लिये कहती है। 1 जुलाई की रात लगभग 11-30 बजे उसने लेपटॉप खरीदने से मना किया। इसी बात पर पत्नी ने गाली गलौज करते हुये सब्जी काटने वाली चाकू से मारपीट कर वायें हाथ की कोहनी के चोट पहुंचा दी। वह जान से मारने व दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा के केस में फसाने की धमकी दी।

नाले के रपटे से बह गई बुलेरो, चालक की मौत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बेलखेड़ा से बरमान रोड पर तेज बारिश में नालों के रपटे उफान पर थे। गुरूवार को लगातार हो रही बारिश में कई जगहों पर रास्ते बंद थे। रपटों के ऊपर से पानी बह रहा था। इस बीच बेलखेड़ा-बरमान मार्ग पर एक बोलेरो गाड़ी रपटा पार करने पानी में डाल दी गई। पल भर में ही बुलेरो नाले के अथाह पानी में समा गई। बुलेरो में ड्राइवर समेत 4 कर्मचारी सवार थे। उफनते नाले को पार करने की कोशिश में चालक की मौत हो गई। ग्रामीणों ने बुलेरो शराब ठेकेदार की बताई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कटाव के पास बने रपटे पर करीब 3 फीट पानी बह रहा था। वहां मौजूद दर्जनों लोग पानी कम होने का इंतजार कर रहे थे। इसी समय बुलेरो आई और उसके चालक ने रपटे के उफनाते पानी में गाड़ी डाल दी। नतीजा यह हुआ कि पानी के तेज बहाव में बुलेरो बह गई। देखते ही देखते नाले के गहरे पानी में समा गई।

डीबी क्लब के सामने चले चाकू, फोटोग्राफर घायल, बदमाश की तलाश में जुटी घमापुर पुलिस

जबलपुर। शहर के घमापुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश और अड़ीबाजी को लेकर एक फोटोग्राफर पर चाकू से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने बीच सड़क पर बाइक अड़ाकर वारदात को अंजाम दिया। गनीमत रही कि पीड़ित ने सूझबूझ दिखाते हुए हमले को हाथ से रोका, जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी के मुताबिक, न्यू कछियाना (घमापुर) निवासी 40 वर्षीय सुनील गोटिया पेशे से फोटोग्राफर हैं। बीती रात करीब 8ः30 बजे वे अपने दोस्त मनीष नामदेव के साथ उसकी पैशन बाइक पर पीछे बैठकर फोटोग्राफी के काम से पचपेढ़ी सिविल लाइंस जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक मंगल पराग मैदान की तरफ से होते हुए मेन रोड डीबी क्लब के सामने पहुंची, तभी चुंगी की तरफ से मोटर साइकिल पर आए शिवा उर्फ विजय रघुवंशी ने उनकी गाड़ी के आगे अपनी बाइक अड़ाकर उन्हें रोक लिया। पीड़ित सुनील गोटिया ने पुलिस को बताया कि बाइक रोकते ही आरोपी शिवा उर्फ विजय रघुवंशी गाली-गलौज करने लगा।

दिन-दहाड़े युवक पर हमला कर अपहरण, विजय नगर क्षेत्र में वारदात से सनसनी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित विजय नगर क्षेत्र में आज उस वक्त अफरातफरी व भगदड़ मच गई,जब जिम में कसरत कर रहे युवक को उसके दोस्तों ने फोन कर पार्क में बुलाया, यहां पर आते हुए युवक पर हमला कर बाइक में बिठाकर ले गए. युवक मौक ा पाकर बाइक से कूदा और शैलबी हास्पिटल के अंदर घुस गया. खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल युवक को अग्रिम मिश्रा को भरती कराकर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है.

पुलिस को पूछताछ में अस्पताल में भर्ती सनातन चौक निवासी अग्रिम मिश्रा ने बताया कि दो दिन पहलेलगभग 8-30 बजे अपनी जिम एवाल्व फिटनेश में था. तभी उसके दोस्त इहान धोंधिया ने उसे फोन कर कुछ काम से ट्रायंगेल पार्क के पास बुलाया. वह अपनी मोपेड से ट्रांगेल पार्क विजयनगर पहुंचा. मौके पर अचानक से जीत मिश्रा अपने अन्य 13-14 साथियों के साथ में आकर गाली गलौज करते हुये अपने पास रखे किसी बंदूक का बट उसके मुंह में मारा.

अन्य लोगों ने चाकू से हमलाकर सिर, जांघ में चोट पहुंचा दी. बेसबाल के डंडे, बेट से मारकर हाथ पैर व शरीर में चोट पहुंचाये.

पाटन उप-जेल में नशेबाजों का जबरदस्त हंगामा,महिला सिपाही से बदतमीजी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिले की पाटन उप-जेल में उस समय हड़कंप मच गया जब शराब के नशे में धुत 7 लोगों ने जेल परिसर में घुसकर जबरन कैदियों से मिलने का प्रयास किया। जेल प्रहरी सुनील पेंद्रे के अनुसार रविंद्र सिंह लोधी, राधे सिंह, जितेन्द्र, सुनील, सुरेंद्र ठाकुर, अज्जू एवं भगवान सिंह ने जेल नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बिना किसी अनुमति के कैदियों से मिलने का दबाव बनाया। जब जेल के कर्मचारियों ने प्रोटोकॉल का हवाला देकर उन्हें मना किया तो इन लोगों ने आपा खो दिया। उपद्रवियों ने महिला प्रहरी रोशनी उपाध्याय और अन्य स्टाफ के साथ न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया, बल्कि उन्हें जान से मारने की सीधी धमकी भी दी। इस गंभीर घटना ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। उपद्रवियों का दुस्साहस इतना अधिक था कि उन्होंने सरकारी काम में बाधा डालने के साथ-साथ जेल परिसर की मर्यादा को तार-तार कर दिया। नशे की हालत में पहुंचे इन लोगों ने परिसर के भीतर जमकर हंगामा किया और ड्यूटी पर तैनात महिला प्रहरी को अपमानित किया। जेल प्रशासन द्वारा तुरंत इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। पुलिस ने जेल प्रहरी की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, उनमें रविंद्र सिंह लोधी, राधे सिंह, जितेन्द्र, सुनील, सुरेंद्र ठाकुर, अज्जू और भगवान सिंह शामिल हैं। जेल प्रशासन इन सभी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहा है। घटना के बाद जेल के भीतर सुरक्षा घेरा और अधिक सख्त कर दिया गया है ताकि कोई भी बाहरी व्यक्ति अनधिकृत रूप से भीतर प्रवेश न कर सके।

परिजनों के घर से निकलते ही दरवाजा काटकर घुसे चोर, ले गए लाखों रुपए के जेवर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर के पाटन से लगे ग्राम सेलवाड़ा तेंदूखेड़ा में रहने वाले साहब विश्वकर्मा के परिवार सहित घर से बाहर जाते ही चोर दरवाजा काटकर घर के अंदर घुस गए, जिन्होने आलमारी के लॉकर को तोड़कर सोने,चांदी के जेवर सहित नगदी रुपयों पर हाथ साफ कर दिया। वारदात उस वक्त हुई है जब साहब विश्वकर्मा दमोह में रिश्तेदार के घर आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गए थे। पुलिस के अनुसार ग्राम सेलवाड़ा में रहने वाले साहब विश्वकर्मा की रिश्तेदारी में शादी थी, जिसके चलते वे घर में ताला लगाक र परिवार सहित शादी में चले गए, देर रात घर का दरवाजा काटकर घुसे चोरों ने आलमारी के लॉकर को तोड़कर करीब चार लाख रुपए के सोने व चांदी के जेवर व 50 हजार रुपए नगद चोरी कर ले

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-12,घंटाघर नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./12/ 2026-27/ एम/11 दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री धरमपाल बशानी, पिता- श्रीधर लाल बशानी** ने मकान नं. 388 **वार्ड-पं. मदन मोहन मालवीय ,** कुल क्षेत्रफल 4540 व.फु., निर्मित क्षेत्रफल 3960 व.फु., भूतल 2950 व.फु., प्रथमतल 1010 व.फु., **दानपत्र, शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -12 घंटाघर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-12 घंटाघर नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 58

2026-2027 दिनांक 18/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती बबीता चक्रवर्ती, पति श्री राजू प्रसाद चक्रवर्ती** भवन क्रं. 4090/1 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000444666 जलकर पिन नं. ..... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री कुबेरनाथ चौबे, पिता- मोहर चौबे, पंजी.दानकर्त्ता श्री हामिद हुसैन, पिता स्व. श्री मोहम्मद साबिर महेता **वार्ड सुभाष चंद बोस वार्ड ,** विक्रय प्लाट रकवा 1391 व.फु., निर्मित भूतल 1100 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 300 व.फु. आर.सी.सी., **पंजीकृत दानपत्र, लिंक प्रपत्रों,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 68

2026-2027 दिनांक 01/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता 1. **श्री तजम्मुल हुसैन खान , 2. श्री तफज्जुल हुसैन खान, दोनों के पिता श्री सुलेमान खान एवं श्री सुलेमान खान, पिता स्व. श्री हसन खान** भवन क्रं. 847/47/1 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000359860 जलकर पिन नं. ..... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्रीमती उर्मिला गुप्ता, पति श्री सोहन लाल गुप्ता,मुख्त्यारकर्ता एवं विक्रेता श्री संदीप गुप्ता, पिता- सोहन लाल गुप्ता, **वार्ड महर्षि महेश योगी वार्ड ,** विक्रय प्लाट रकवा 1750 व.फु., निर्मित भूतल 704 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 704 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 67

2026-2027 दिनांक 01/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता 1. **श्री तजम्मुल हुसैन खान , 2. श्री तफज्जुल हुसैन खान, दोनों के पिता श्री सुलेमान खान एवं श्री सुलेमान खान, पिता स्व. श्री हसन खान** भवन क्रं. 847/47/3 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000360803 जलकर पिन नं. ..... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री सोहन लाल गुप्ता, पिता श्री आत्माराम गुप्ता, मुख्त्यार गृहिता एवं विक्रेता श्री संदीप गुप्ता, पिता- सोहन लाल गुप्ता, **वार्ड महर्षि महेश योगी वार्ड ,** विक्रय प्लाट रकवा 1750 व.फु., निर्मित भूतल 704 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 704 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -163 दिनांक 03.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **काबिज- श्रीमती प्रमोद तिवारी, पति- स्व. श्री रामप्रसाद तिवारी** ने मकान नं. 396/1 सम्पत्ति पिन नं. 1000487565 **वार्ड वीर सावरकर- 07 वार्ड ,** क्षेत्रफल 2100 व.फु., भूतल 744 व.फु., **शपथपत्र,खसरा पी.-1, पी-2,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/98 जबलपुर दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती पल्लवी जैन, पति श्री सनत कुमार जैन** मकान नं. एल.आई.जी. 184 **वार्ड. पं. दीनदयाल उपाध्याय** पिन नं. 1000352625, क्षेत्रफल 452 व.फु., भूतल 245 व.फु., **संलग्न-विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-6 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/96 जबलपुर दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री प्रवीण सराफ, पिता श्री अवध बिहारी सोनी** मकान नं. खसरा नं. 190/3 **वार्ड. पं. दीनदयाल उपाध्याय** पिन नं. 1000352651, क्षेत्रफल 2400 व.फु., **संलग्न- विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-6 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2026-27/ एम/97 जबलपुर दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री विशाल बाधवानी, पिता श्री सेवक राम** मकान नं. प्लाट नं. 153 **वार्ड. डॉ. राम मनोहर लोहिया** पिन नं. 9000187375, क्षेत्रफल 4240 व.फु., **संलग्न-विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-6 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/101 दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री विक्रम सिंह ठाकुर, पिता स्व. श्री एस.एल. ठाकुर** ने मकान नं. 632/31 राम नगर पिन. नं. 1000408620 **वार्ड पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड,** क्षेत्रफल 1110 व.फु. भूतल 550 व. फु., **शपथपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/102 दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री राकेश कुमार बादल, पिता- स्व. श्री शंकर लाल शर्मा (बादल)** ने मकान नं. 1728 सरस्वति कालोनी पिन. नं. 1000373923 **वार्ड चेरीताल वार्ड,** क्षेत्रफल 1200 व.फु. भूतल 600 व. फु., प्रथमतल 400 व.फु., **वसीयतनामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/103 दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री अलोक कुमार बादल, पिता- स्व. श्री शंकर लाल शर्मा** ने मकान नं. 1728 सरस्वति कालोनी पिन. नं. 1000373923 **वार्ड चेरीताल वार्ड,** क्षेत्रफल 1200 व.फु. भूतल 600 व. फु., प्रथमतल 600 व.फु., **वसीयतनामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/100 दिनांक 03.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती नफीसा बी, पति- श्री मोहम्मद याकूब** ने मकान नं. 243 गाजी नगर पिन. नं. 1000408608 **वार्ड पं. मोती लाल नेहरू वार्ड,** क्षेत्रफल 858 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096